E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 48 | गुवाहाटी | शनिवार, 14 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं, बल्कि देश के लिए : उपराष्ट्रपति — पेज 2
उपद्रवियों की पहचान और कानूनी कार्रवाई का निर्देश — पेज 3
सरकार में खींचतान से आमजन को नुकसान : पायलट — पेज 5
चार मैचों की जीत का दबदबा कायम विजयश्री के इरादे से उतरेगी इंडिया — पेज 7

सुप्रभात

जिस आदमी से हमें काम लेना है, उससे हमें वही बात करनी चाहिए जो उसे अच्छी लगे। जैसे एक शिकारी हिरन का शिकार करने से पहले मधुर आवाज में गाता है।

– आचार्य चाणक्य

सोनापुर मामला : हिंसा भड़काने के लिए सीएम ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया

बांग्लादेश का स्लोगन भी सुना गया : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा है कि बांग्लादेश में उपद्रवी तत्वों द्वारा प्रयुक्त स्लोगन गुरुवार को सोनापुर में भी संदिग्ध नागरिकों द्वारा देते हुए सुना गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन के अधिकारी जब ट्राईबल बेल्ट में स्थित सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने पहुंचे तो संदिग्ध नागरिकों का झुंड बांग्लादेश वाला स्लोगन देते हुए अधिकारियों पर आक्रमण करने लगे। उन्होंने कहा कि बच्चे, बूढ़े, जवान आदि सभी के हाथों में लाठी, दाव आदि देखे गए। वे इतने पर ही शांत नहीं रहे, रेल मार्ग को भी संदिग्ध नागरिकों द्वारा अवरुद्ध किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिक्रमण करने वाले सभी लोग बूढ़ा-बूढ़ी इलाके में रहने वाले भूमि और घरों के स्वामी हैं। दलालों द्वारा उन्हें यहां लाकर बसाया गया। उन्होंने कहा कि दलाल थोड़े से पैसे में ही इन लोगों को लाकर यहां बसा देते हैं। जब संदिग्ध नागरिकों की संख्या 25 हजार तक पहुंच जाती है तो फिर वहां से उन्हें हटाना कठिन हो जाता है। राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति करते हुए उन्हें वहां से हटाने नहीं देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के दलालों को पुलिस चिह्नित कर रही है। उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री आज खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन पांच हजार लोगों के बैठने की क्षमता वाले सार्वजनिक सभागार के निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री आज खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन पांच हजार लोगों के बैठने की क्षमता वाले सार्वजनिक सभागार के निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी मार्च तक यह सभागार बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें सभी प्रकार की सुविधाएं मौजूद रहेंगी। उन्होंने कहा कि यहां पहुंचने वाले सभी लोगों की गाड़ी पार्क करने की भी यहां व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण करने के बाद चल रहे निर्माणकार्य को लेकर संतोष व्यक्त किया। उधर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अतिक्रमणकारियों को उकसाया था, जिन्होंने गुरुवार को गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में संरक्षित आदिवासी क्षेत्र और ब्लॉक में चलाए गए निष्कासन अभियान के दौरान पुलिस कर्मियों पर हमला किया था। पुलिस को साजिश का संदेह है और इस घटना के सिलसिले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप दो नागरिकों की मौत हो गई, दोनों बंगाली भाषी मुसलमान थे। 30 से अधिक अन्य लोग, जिनमें ज्यादातर पुलिसकर्मी और एक मजिस्ट्रेट शामिल हैं, घायल हो गए। शर्मा ने बताया कि सोमवार को शुरू हुआ बेदखली अभियान बुधवार तक शांतिपूर्ण ढंग से चला और भूमि अतिक्रमणकारी दरांग और मोरीगांव जिलों में अपने मूल घरों को लौट गए। शर्मा ने मीडिया से कहा कि जब कांग्रेस ने गुरुवार सुबह अभियान का विरोध किया और लोगों को भड़काया, तो उनमें *-शेष पृष्ठ दो पर*

बेदखल किए गए लोगों के बांग्लादेशी होने का संदेह : डीजीपी

गुवाहाटी (हि.स.)। सोनापुर के कचुतली में बेदखल किए गए लोगों के बांग्लादेश से आने का संदेह है। पिछले महीने पुलिस ने सामान लेकर जा रहे दो ट्रैक्टरों को पकड़ा था। उन्होंने कहा कि कचुतली में अभी भी तनाव है। पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और छह अन्य को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कचुतली रोड से आम लोगों के लिए कोई रास्ता नहीं है। पुलिस ने बैरिकेड लगा दिए हैं। उन्होंने कहा कि कचुतली में अतिरिक्त बल भी तैनात किए गए हैं। प्रशासन कचुतली में एक और बेदखली अभियान शुरू करने के लिए तैयार है। प्रशासन पांचवें दिन भी बेदखली अभियान चलाएगा। बेदखली स्थल पर पुलिस और प्रशासन अलर्ट पर है। *-शेष पृष्ठ दो पर*

तिहाड़ जेल से बाहर आए दिल्ली सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सशर्त जमानत दे दी है। अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्यालय के बाहर जश्न मनाया जा रहा है। *आप* के कई नेता और कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय के बाहर एकत्र हुए और पार्टी सुप्रीमो की रिहाई का जश्न मनाने के लिए उन्होंने मिठाइयां बांटी और पटाखे जलाए। शाम करीब साढ़े छह *-शेष पृष्ठ दो पर*

न्यूज गैलरी

असम भाजपा ने नौ दिनों में 20 लाख से अधिक सदस्य बनाए

गुवाहाटी। असम में भाजपा ने अपने सदस्यता अभियान में महत्वपूर्ण प्रगति की है, मात्र नौ दिनों में 20 लाख से अधिक नए सदस्य बनाए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को घोषणा की कि पार्टी ने अभियान शुरू होने के बाद से राज्य में 20,43,796 सदस्यों को पार कर लिया है, जो 2019 में पिछले *-शेष पृष्ठ दो पर*

मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट की हत्या, शव के टुकड़े कर मिक्सी में पीसा

बर्न (स्विट्जरलैंड) (हि.स.)। मिस स्विट्जरलैंड की पूर्व फाइनलिस्ट और मॉडल क्रिस्टीना जोक्सिमोविच नहीं रहीं। उनके पति थॉमस ने उन्हें बेरहमी से मौत के घाट के उतार दिया। पहले गला घोंटा। इसके बाद शव के टुकड़े कर उन्हें मिक्सी में डालकर पीस दिया। यह खुलासा स्विट्जरलैंड *-शेष पृष्ठ दो पर*

एक युवक एक करोड़ रुपए दान करने आया था...

सीएम ने बताया कैसे करोड़ों रुपए के व्यापार घोटाले का पता चला

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को खुलासा किया कि मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 करोड़ रुपए दान करने वाले एक व्यक्ति के बारे में उनके संदेह के कारण करोड़ों रुपए के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले का पता चला। शर्मा ने बताया कि उनके संदेह ने जांच को प्रेरित किया, जिसने अंतत: बड़े पैमाने पर वित्तीय कदाचार से जुड़े घोटाले को उजागर किया और अभिनेत्री सुमी बोरा और उनके पति को गिरफ्तार किया। समाचार एजेंसी पीटीआई ने उनके हवाले से कहा कि जब एक युवक मुख्यमंत्री राहत कोष *-शेष पृष्ठ दो पर*

बुलडोजर एक्शन से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने कहा–

देश कानून से चलता है, पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश तय करेंगे

नई दिल्ली। किसी अपराध में आरोपित के घर पर बुलडोजर चलाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर सख्त रुख अख्तियार किया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जहां देश कानून से चलता है, वहां परिवार के किसी सदस्य द्वारा कानून का उल्लंघन करने पर अन्य सदस्यों के विरुद्ध या उनके कानूनी ढंग से बनाए गए घर पर कार्रवाई नहीं हो सकती। ये टिप्पणी जस्टिस हृषिकेश राय, सुधांशु धूलिया और एसवीएन भट्टी की पीठ ने गुजरात के एक मामले में दिए अंतरिम आदेश में गुरुवार की। कोर्ट ने परिवार के एक सदस्य के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज होने पर साझे का पारिवारिक घर ढहाए जाने की आशंका जताने वाली याचिका *-शेष पृष्ठ दो पर*

गांधीनगर में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डूबने से 8 लोगों की मौत, 2 लापता

गांधीनगर (हि.स.)। जिले की देहगाम तहसील के वासणा सोगठी गांव के पास मेश्वो नदी में शुक्रवार को गणपति विसर्जन के दौरान 10 लोग डूब गए। इनमें 8 लोगों का शव बरामद किया गया है। बाकी 2 लोगों की तलाश जारी है। स्थानीय प्रशासन ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 8 शवों को पोस्टमार्टम के लिए निकटवर्ती अस्पताल में ले जाया गया है। पिछले 6 दिन के दौरान गणपति विसर्जन के दौरान डूबने की यह चौथी घटना है, जिसमें अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार को पाटण में 4, नडियाद में 2 और जूनागढ़ में एक युवक की मौत हो गयी थी। वासणा सोगठी गांव के समीप मेश्वो नदी में गणपति *-शेष पृष्ठ दो पर*

वक्फ बिल पर जनता को जागरूक करेगी भाजपा

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर कई मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से आलोचना किए जाने के बाद अब इसको लेकर जागरूक किए जाने की मुहिम शुरू की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब इस बिल पर जनता को जागरूक करेगी। साथ ही बिल के फायदों के बारे में भी मुस्लिम समाज से जुड़े लोगों को जानकारी देगी। साथ ही भाजपा ने अपने सांसदों को 3 लाख प्लस का टारगेट भी दिया है। वहीं जमीयत उलेमा-ए-हिंद भी इस मामले में कई मुस्लिम संगठनों के साथ बैठक कर रही है। केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा ने जागरुकता को लेकर अपने-अपने लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को टारगेट दिया है। पार्टी ने अपने हर सांसद को आम लोगों में वक्फ संशोधन बिल के फायदे बताने के बाद बिल के समर्थन में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को एक हजार मेल करवाने का टारगेट दिया गया है। सांसदों को वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में जेपीसी की मेल आईडी पर मेल करवाने को कहा गया है। संशोधन को संसद में पेश किए जाने के बाद मामला संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया है। जहां पर इस संशोधन से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। जेपीसी ने बिल को लेकर आम लोगों से राय मांगी है। भाजपा की ओर से अपने हर सांसदों को बिल के समर्थन में एक-एक हजार मेल करवाने का टारगेट दिया गया है। संसद के निचले सदन लोकसभा में भाजपा के 240 तो राज्यसभा में 96 सांसद हैं। इस तरह भाजपा सांसदों को जेपीसी के मेल आईडी पर *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं, बल्कि देश के लिए : उपराष्ट्रपति

अजमेर(हि.स)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं, बल्कि देश के विकास के लिए होती है इसे हमें पूरी निष्ठा के साथ लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद हमारा लक्ष्य है, हमें सदैव अपनी जिम्मेदारियों को याद रखना चाहिए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को अजमेर और नागौर यात्रा पर पहुंचे। इस दौरान किशनगढ़ स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय में उनका जोरदार स्वागत किया गया। उपराष्ट्रपति के साथ उनकी पप्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रहीं। स्वागत के बाद उपराष्ट्रपति ने पौधरोपण किया और फिर विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद किया। धनखड़ ने विकसित भारत 2047 में उच्च शिक्षा की भूमिका पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति किसी सरकार की नहीं, बल्कि देश के विकास के लिए है और इसे हमें पूरी निष्ठा के साथ लागू करना चाहिए। उन्होंने

विद्यार्थियों से राष्ट्रवाद की भावना को सर्वोपरि रखने का आह्वान करते हुए कहा कि अगर हमारे भारत को कोई सुई भी चुभती है तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होता है। धनखड़ ने नाम लिए बिना राहुल गांधी के अमेरिका दौरे के दौरान हालिया बयानों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ भटके हुए लोग भारतीय संविधान की शपथ के बाद भी राष्ट्रवाद से दूर हैं। हमारा लक्ष्य है राष्ट्रवाद और हमें अपनी जिम्मेदारियों को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई भारतीय देश से बाहर जाता है, तो वह देश का राजदूत बनकर जाता है। शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे समाज में बदलाव लाया जा सकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा के बिना विकसित भारत का सपना मुमकिन नहीं। हमें रोजाना कुछ नया सीखना चाहिए और अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने रोजगार के विभिन्न साधनों की भी चर्चा की और कहा कि केवल सरकारी नौकरियां ही रोजगार का जरिया नहीं हैं, आज कई अन्य विकल्प भी उपलब्ध हैं। कार्यक्रम के अंत में धनखड़ ने विश्वविद्यालय के कुलपति से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों को दिल्ली आने का निमंत्रण दें, ताकि वे संसद, भारत मंडपम और प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा कर सकें। अपने संबोधन के बाद उपराष्ट्रपति ने स्थानीय सरपंचों और ग्रामीणों से भी मुलाकात की और उन्हें दिल्ली आने का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ नागौर के खरनाल के लिए रवाना हो गए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सपप्नीक तेजाजी महाराज के दर्शन किए वे मंदिर में कुछ देर रुके और पूजा-अर्चना की। इसके बाद वायु सेना के विशेष विमान से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

आंध्र प्रदेश में सड़क हादसा आठ की मौत व 30 घायल

चित्तूर (हि.स.)। जिले में चित्तौड़ और पालमनेर के बीच मोगिली घाट के पास शुक्रवार दोपहर को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक रोडवेज बस और लोहे की सरिया लदी लॉरी की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई और जबकि अन्य 30 तक यात्री घायल हुए हैं। घायलों को नजदीकी वेल्लोर और चित्तूर के अस्पतालों में ले जाया गया। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं और पीड़ित परिवारों को सहायता देने का भरोसा दिया। पुलिस ने बताया कि आंध्र प्रदेश राज्य परिवहन निगम की एक बस तिरुपति से बेंगलुरु के लिए रवाना हुई थी। मोगिली घाट के पास बस पलमनेरु से चित्तूर की ओर जा रहे एक लोहे की सरिया लदी लॉरी से टकरा गई। इस दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा दो अन्य लोगों की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हो गई। इस दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा दो अन्य लोगों की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हो गई।लॉरी में लोहे की छड़ें थीं और लोगों के खून से पूरी सड़क लथपथ रहा। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य तेज शुरू कर किया दिया। घटनास्थल पर जिला कलेक्टर और एसपी पहुंच गए और राहत कार्यों पर निगरानी रखे हुए हैं। घटना के बाद सड़क पर आवागमन बाधित हो गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद यातायात सुचारू कराया। पुलिस ने 30 घायलों को वेल्लोर व चित्तूर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि कई घायलों की हालत गंभीर है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मोगली घाट पर हुए सड़क हादसे की पूरी जानकारी ली और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने अधिकारियों से पीड़ितों की मदद, राहत उपायों और चिकित्सा सहायता के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का आदेश दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार प्रभावित परिवारों को हर तरह से सहायता करेगी।

सुमी-तार्किक थाना की जगह जिमखाना कैसे पहुंचे : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में आरोपित सुमी बोरा और तार्किक बोरा की गिरफ्तारी शुक्रवार को की गई थी। दोनों को गिरफ्तार करके थाना लाया जाना चाहिए था। उन्हें जिमखाना क्लब में ले जाना युक्तिसंगत नहीं था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच करने को कहा है कि अपराधी को जिमखाना क्लब में क्यों ले जाया गया। मुख्यमंत्री ने यह भी पूछा कि अपराधी लॉक-अप में गए बिना जिमखाना क्लब में कैसे चले गए। उन्होंने कहा कि मैंने डीजीपी (डीजीपी जीपी सिंह) के साथ घटना पर चर्चा की है। एक पुलिस टीम सुमी-तार्किक को जिमखाना क्लब ले गई? मुख्यमंत्री ने कहा कि जिमखाना क्लब में टीवी चैनल को इंटरव्यू देना गलत हुआ। पत्रकारों और पुलिस के बीच संबंधों का यह मुद्दा चिंता का विषय है।

कोलकाता में डॉक्टरों को धरना जारी, राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग

कोलकाता (हि.स.)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म एवं हत्या के विरोध में जूनियर डॉक्टरों का धरना शुक्रवार को भी जारी रहा। राज्य सरकार से गुरुवार को प्रस्तावित वार्ता शुरू होने से पहले ही खत्म होने के बाद अब हड़ताली डॉक्टरों ने ई-मेल भेजकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को भी इस ई-मेल की प्रति भेजी है। हालांकि, राष्ट्रपति भवन से अभी कोई जवाब नहीं मिला है। जूनियर डॉक्टरों ने भारी बारिश के बावजूद स्वास्थ्य भवन के सामने अपने विरोध प्रदर्शन को जारी रखा। डॉक्टरों ने खुद ही त्रिपाल पकड़ कर बारिश से बचते हुए *हमें न्याय चाहिए* के नारे लगाए। कई डॉक्टरों ने रेनकोट पहनकर भी विरोध जारी रखा। इनके समर्थन में कुछ सीनियर डॉक्टर भी हैं और आम लोग भी इसमें शामिल हुए। आसपास बैरिकेडिंग कर पुलिस भी डटी हुई है। हालांकि डॉक्टरों के लिए सारी व्यवस्थाएं आम लोग कर रहे हैं। गुरुवार रात ममता बनर्जी की प्रेस कांफ्रेंस के बाद जूनियर डॉक्टरों ने मीडिया से कहा कि हम सिर्फ न्याय की मांग को लेकर नवान्न तक पहुंचे थे। भविष्य में ऐसे किसी भी घटना को रोकने के लिए दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भरोसा कर यहां आए थे। हम कुर्सी नहीं चाहते, हमें सिर्फ न्याय चाहिए। हम 33 दिन से सड़कों पर हैं, जरूरत पड़ी तो 33 दिन और सड़क पर रहेंगे। गुरुवार को नवान्न में बैठक के विफल होने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रेस कांफ्रेंस की और कहा कि मैं तीन दिनों में भी समाधान नहीं निकाल पाई, इसके लिए बंगाल की जनता से माफी मांगती हूं। नवान्न के सामने आकर भी जो लोग बैठक में शामिल नहीं हुए, उन्हें मैं माफ करती हूं।

वन विभाग के कार्यालय के पास तालाब में मिला शव

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के नदुवा के ईटाखोला इलाके में अज्ञात व्यक्ति का शव देखे जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि ईटाखोला के नदुवा इलाके में स्थित वनांचलिक कार्यालय के पीछे तालाब में शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से तालाब से मृत व्यक्ति के शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मृत व्यक्ति की शिनाख्त करने में जुटी हुई है।

पोर्ट ब्लेयर का नाम अब श्री विजय पुरम होगा : गृहमंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर विजयपुरम कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में पोर्ट ब्लेयर के नए नाम का एलान किया गया। अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी विजन के तहत देश को औपनिवेशिक पहचान से मुक्त करने के लिए हमने पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजय पुरम करने का निर्णय लिया है। अब गुलामी का एक और निशान मिटा दिया गया है। उन्होंने लिखा कि पहले के नाम में औपनिवेशिक विरासत थी। विजय पुरम स्वतंत्रता संग्राम में हासिल की गई जीत और उसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का हमारे स्वतंत्रता संग्राम और इतिहास में अद्वितीय स्थान है। यह द्वीप क्षेत्र जो कभी चोल साम्राज्य के नौसैनिक अड्डे के रूप में कार्य करता था, आज हमारी रणनीतिक और विकास आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार बनने के लिए तैयार है। यह वह स्थान भी है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तिरंगे को पहली बार फहराया था और वह सेल्युलर जेल भी है जहां वीर सावरकर और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के लिए संघर्ष किया था। केंद्र सरकार अंडमान-निकोबार में द्वीपों के नाम लगातार बदल रही है। पहले केंद्र सरकार ने रोस आइलैंड का नामकरण नेताजी सुभाषचंद्र बोस द्वीप के नाम पर किया था। इसके अलावा नील आइलैंड को शहीद द्वीप और हेवलॉक आइलैंड को स्वराज द्वीप का नाम दिया गया। इसके बाद केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार द्वीप समूह के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया गया। पराक्रम दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने विधिवत रूप से इसकी शुरुआत की थी। बता दें कि अंडमान निकोबार में द्वीपों का अभी तक नामकरण नहीं हुआ था लेकिन पीएम मोदी ने इन द्वीपों को नई पहचान दी।

सोशल मीडिया ने खोली एनएच के बदहाली की पोल, चार इंजीनियर बर्खास्त

नई दिल्ली। सड़कों की मरम्मत के मामले में लापरवाही बरतने वाले अफसरों और ठेकेदार फर्मों के लिए केंद्र सरकार का यह निर्णय सबक लेने वाला होना चाहिए। अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर और दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे की बदहाली की तस्वीरों और वीडियो का संज्ञान लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सख्त कार्रवाई करते हुए जिम्मेदार चार इंजीनियरों को बर्खास्त कर दिया है। साथ ही दोनों मामलों से संबंधित ठेकेदारों पर 50-50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। संभवतः इस तरह की कार्रवाई कम ही मामलों में हुई होगी। पिछले दिनों से इंटरनेट मीडिया पर जनता के द्वारा कई सड़कों या राजमार्गों की बदहाली की तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर डाली जा रही हैं। शिकायतों को लेकर अक्सर बेपरवाह बने रहने वाले जिम्मेदार अधिकारी तो आंखें मूंदे रहने के अंदाज में ही थे, लेकिन पिछले दिनों केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंत्रालय और एनएचएआई के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिया कि राष्ट्रीय राजमार्गों-एक्सप्रेसवे की खराब स्थिति को लेकर इंटरनेट मीडिया या किसी भी माध्यम से जानकारी मिले, उसका तुरंत संज्ञान लेकर मरम्मत कराई जाए। उसके बाद हाल ही में ट्वीट के माध्यम से अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर संगरिया-रसिसार सेक्शन के किलोमीटर-39 पर गड्ढों की तस्वीरें वायरल हो गईं। इसका संज्ञान लेते हुए एनएचएआई ने ठेकेदार पर 50 लाख रुपए जुर्माना लगाते हुए संबंधित प्राधिकरण के रेजीडेंट इंजीनियर और साइट इंजीनियर को लापरवाह मानते हुए उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं। परियोजना निदेशक व डिप्टी मैनेजर टेक्निकल को कारण बताओ नोटिस दिया है। एनएचएआई की ओर से दावा किया गया है कि बरसात की वजह से आ रहे व्यवधान के बावजूद अस्थायी तौर पर उक्त स्थान पर मरम्मत कार्य करा दिया गया है। वर्षा का मौसम समाप्त होने के बाद आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञ प्रो. केएस रेड्डी के निर्देशन में एक्सप्रेसवे के प्रभावित हिस्से को स्थायी तौर पर दुरुस्त कराया जाएगा। इसी तरह इंटरनेट मीडिया पर दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे के पैकेज-9 स्थित चैनल 280.980 पर सड़क की बदहाली का वीडियो प्रसारित हुआ। इसका संज्ञान लेते हुए रेजीडेंट इंजीनियर और साइट इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया। ठेकेदार पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाते हुए परियोजना निदेशक और प्रबंधक तकनीकी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके साथ ही प्रभावित हिस्से की अस्थायी मरम्मत कराते हुए आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञ प्रो. केएस रेड्डी और आईआईटी गांधीनगर के प्रो. जीवी राव को एक्सप्रेसवे को हुई इस क्षति का कारण पता करने तो श्रीराम इंस्टीट्यूट नई दिल्ली को नमूने एकत्र कर उनकी जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

No. SLRC-G-III/91/Advertisement/2023/32

NOTICE

In continuation to the Advertisement No. SLRC-G-III/91/Advertisement/2023/2 and subsequent notices, it is informed to all concerned that the number of vacancies of Class-III posts under various Departments/establishments is available in the official website of Government of Assam (www.assam.gov.in) and that of Board of Secondary Education, Assam (www.sebaonline.org).

Secretary
State Level Recruitment Commission for Class-III Posts, Assam Administrative Staff College, Jawahar Nagar, Khanapara, Guwahati -22

-- Janasanyog /D/5656/24/14-Sep-24

पृष्ठ एक का शेष

सोनापुर मामला : हिंसा भड़काने ...

से एक वर्ग उत्तेजित हो गया। उन्होंने धारदार हथियारों से पुलिस पर हमला किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस को गोली चलानी पड़ी। उन्होंने कांग्रेस की इस बेदखली अभियान का विरोध करने के लिए आलोचना की, जबकि कांग्रेस ने पहले ही एक कानून बना लिया था, जिसके अनुसार केवल आदिवासियों और संरक्षित वर्ग को ही असम के आदिवासी क्षेत्रों और ब्लॉकों में रहने की अनुमति होगी।

बेदखल किए गए ...

कुछ लोग बेदखली स्थल से चले गए हैं। सुबह से ही अतिक्रमणकारी अपना सामान लेकर जाने लगे हैं। गुरुवार को बेदखली स्थल रणक्षेत्र में बदल गया था। उन्होंने कहा कि पुलिस और अतिक्रमणकारियों के बीच झड़प में दो लोगों की मौत हो गई। दो अतिक्रमणकारियों की पहचान हैदर अली और जुवाहिद अली के रूप में हुई है। बेदखली अभियान में 500 से अधिक पुलिसकर्मी और अतिक्रमणकारी घायल हुए हैं। इसी बीच, पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने आज कचुतली का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से भी बातचीत की। डीजीपी घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि कल के हमले में तीसरी ताकतें शामिल थीं। उन्होंने कहा कि यह बिना किसी तीसरी ताकत के अचानक नहीं होता। गुवाहाटी पुलिस ने इस संदर्भ में मामले दर्ज किए हैं और कई लोगों को गिरफ्तार किया है। ऐसी भी खबरें थीं कि कल रेलवे की संपत्ति को नष्ट करने का लक्ष्य था। उन्होंने कहा कि इस जमीन के बारे में जानकारी मांगी गई थी। यह जमीन भूमि अधिनियम के तहत *आदिवासी बेल्ट* की है। आदिवासी बेल्ट के नाते पुलिस द्वारा बेदखल किए गए लोग अन्य वर्गों से थे। कल तक कुल 248 बीघा जमीन खाली कराई गई है। 151 परिवारों को बेदखल किया गया है और लगभग 300 घरों को बेदखल किया गया है। उन्होंने कहा कि बेदखली अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक यह पूरी नहीं हो जाती।

तिहाड़ जेल से ...

बजे अरविंद कजेरीवाल को जेल से रिहा कर दिया गया। इससे पहले केजरीवाल की रिहाई का ऑर्डर तिहाड़ जेल पहुंचा। केजरीवाल के स्वागत के लिए मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी, सौरभ भारद्वाज और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान मौजूद रहे। केजरीवाल के बाहर निकलते ही आप कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस बीच, मुख्यमंत्री आवास के बाहर केजरीवाल की पप्नी सुनीता केजरीवाल ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मिठाई बांटी। वहीं, आप समर्थकों ने *आ गए भाई आ गए केजरीवाल आ गए* और *जेल के ताले टूट गए केजरीवाल छूट गए* जैसे नारे लगाए। आप के वरिष्ठ मनीष सिसोदिया, आतिशी, संजय सिंह और उनकी पप्नी अनीता भी इस अवसर पर मौजूद रहीं। सुनीता केजरीवाल से संवाददाताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का यह षडयंत्र भी नाकाम हो गया। वे सत्ता में बने रहने के लिए विपक्षी नेताओं को जेल में डालना चाहते थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री का लोकसभा चुनाव परिणामों से पहले दो जून को आत्मसमर्पण करने के तीन महीने बाद यह फैसला सुनाया गया है। आप मुख्यालय के बाहर पार्टी के कार्यकर्ता ढोल की थाप पर नाचते हुए नजर आए। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज भी जश्न में शामिल होने के लिए यहां पहुंचे थे। इस अवसर पर मौजूद कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह *हमारी पार्टी की बड़ी जीत और तानाशाही की हार* है। मनीष सिसोदिया के आवास के बाहर भी मिठाइयां बांटी गईं। ईडी ने 21 मार्च को आबकारी नीति मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। शीर्ष अदालत ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए 10 मई को 21 दिन की अंतरिम जमानत दी थी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हालांकि 26 जून को आबकारी नीति से जुड़े एक अन्य मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि वह उस दौरान न्यायिक हिरासत के तहत तिहाड़ जेल में थे।

एक युवक एक करोड़ ...

में 1 करोड़ रुपए दान करने आया, तो मुझे संदेह हुआ। मैंने अधिकारियों से पूछा कि वह क्या करता है और इस तरह ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाला सामने आया। उन्होंने कहा कि घोटाले को सामने लाने वाले व्यक्ति पर हमला करने का मतलब है इन अपराधों में लिप्त लोगों को *विटामिन* देना। मामले को सुलझाने और इसमें शामिल लोगों को गिरफ्तार करने के उनकी सरकार के प्रयासों के बावजूद, शर्मा ने दावा किया कि विपक्षी दलों द्वारा उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घोटाले में शामिल लोगों को सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों ने *हीरो* बना दिया था, लेकिन अब मुझ पर हमला करके इसे राजनीतिक क्यों बनाया जा रहा है? मुख्यमंत्री ने उन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि कामरूप (महानगर) जिले के सोनपुर में बेदखली अभियान घोटाले से ध्यान हटाने के लिए शुरू किया गया था। उन्होंने सवाल किया कि जब घोटाले में शामिल लोगों को सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों द्वारा *हीरो* के रूप में पेश किया जा रहा था, तो उन पर राजनीतिक हमला क्यों किया जा रहा था। शर्मा ने इस बात की भी जांच के आदेश दिए कि घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार अभिनेत्री सुमी बोरा और उनके पति तारिक बोरा को डिब्रूगढ़ में हिरासत में लेने के बाद पुलिस द्वारा किस तरह एक आलीशान होटल में ले जाया गया। उन्होंने पुलिस और पत्रकारों के बीच संबंधों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों को जेल में होना चाहिए था, लेकिन वे साक्षात्कार दे रहे थे। शर्मा ने यह भी दावा किया कि घोटाले से जुड़े सोशल मीडिया प्रभावित लोग लोकसभा चुनावों के दौरान लगातार भाजपा पर हमला कर रहे थे। असमिया अभिनेत्री, कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया प्रभावित सुमी बोरा और उनके पति को गुरुवार को डिब्रूगढ़ में स्पेशल टास्क फोर्स ने हिरासत में लिया। मामले में मुख्य आरोपी 22 वर्षीय बिशाल फुकन की गिरफ्तारी के मद्देनजर उन्हें जारी किए गए नोटिस के बाद पुलिस के सामने पेश नहीं होने पर दंपति और चार अन्य के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। इस घोटाले में ऐसी फर्म शामिल हैं, जिन्हें ज्यादातर 20 साल की उम्र के लोगों द्वारा प्रमोट किया जाता है, जो कथित तौर पर शेयर बाज़ारों में निवेश पर भारी रिटर्न का वादा करके लोगों से सैकड़ों करोड़ रुपए जुटाती हैं। हालांकि, ये फर्म हाल ही में निवेशकों को पैसे वापस करने में विफल रही हैं। अब तक इस घोटाले के सिलसिले में 65 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम, 2019 और भारतीय न्याय संहिता के तहत जिलों में दर्ज 28 मामलों की जांच के लिए 14 विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए गए हैं।

देश कानून से ...

पर गुजरात सरकार को नोटिस जारी करते हुए संपत्ती पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। दस दिन में यह दूसरा मौका है जब शीर्ष अदालत ने किसी आरोपित के घर बुलडोजर चलाने को लेकर ऐसी टिप्पणी की है। दो सितंबर को भी कोर्ट ने जमीयत उलमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई के दौरान ऐसी टिप्पणी की थी। उस याचिका में देश के विभिन्न हिस्सों में आरोपितों के घरों पर बुलडोजर चलाने की शिकायतें की गई हैं। जिस पर जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा था कि वह इस संबंध में पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश तय करेंगे। कोर्ट ने सभी पक्षों को इस संबंध में सुझाव देने को कहा था। उस मामले में 17 सितंबर को सुनवाई होगी। हालांकि जमीयत की याचिका में पक्षकार उत्तर प्रदेश सरकार ने हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट किया था कि किसी अपराध में सिर्फ आरोपित होना घर पर बुलडोजर चलाने का आधार नहीं हो सकता। सिर्फ म्यूनिसिपल कानून के तहत कानूनी प्रक्रिया से अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है। तब कोर्ट ने इस बात की सराहना की थी। उत्तर प्रदेश का रुख इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि उसी पर सबसे ज्यादा बुलडोजर कार्रवाई के आरोप लगते हैं। गुरुवार को कोर्ट के सामने गुजरात में खेड़ा जिले के कठलाल गांव का मामला था जिसमें याचिकाकर्ता जावेद अली महबूब मियां सैयद ने पारिवारिक घर को ध्वस्तीकरण से बचाने की मांग की है। याचिकाकर्ता के वकील इकबाल सैयद ने कहा कि उनके घर का निर्माण कानून के मुताबिक हुआ है और पिछले करीब दो दशक से उनके परिवार की तीन पीढ़ियां उसमें रह रही हैं। एक सितंबर को परिवार के एक सदस्य के विरुद्ध एफआइआर दर्ज हुई है जिसके बाद से म्युनिसपल अथॉरिटी घर को गिराने की धमकी दे रही है। वकील ने कहा कि उनके कानूनी ढंग से निर्मित घर को नहीं ढहाया जा सकता। इस संबंध में उन्होंने कोर्ट के दो सितंबर के आदेश का हवाला दिया जिसमें इसी तरह आरोपितों के घरों पर बुलडोजर चलाने की आशंकाओं को उठाया गया था और कोर्ट ने दिशा-निर्देश देने की बात कही थी।

गांधीनगर में गणेश ...

प्रतिमा का विसर्जन करने लोग गए थे। इसी दौरान 10 लोग पानी में डूबने लगा। घटना की जानकारी होने पर स्थानीय तैराकों समेत फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई। एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गयी है।

वक्फ बिल पर ...

बिल के समर्थन में 3 लाख 36 हजार से ज्यादा मेल कराने का लक्ष्य दिया गया है। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज शुक्रवार को पार्टी के सभी सांसदों के साथ ऑनलाइन मीटिंग भी की। दूसरी ओर, वक्फ बिल पर जेपीसी की बैठकों के दौरान दावे-प्रतिदावे किए जा रहे हैं। एक ओर देश में कई सरकारी निकायों ने वक्फ बोर्डों पर उनकी संपत्तियों पर कब्जा करने के आरोप लगाए हैं, तो इन आरोपों के खिलाफ प्रतिदावे भी किए गए हैं। जेपीसी में कई विपक्षी सदस्यों की ओर से दावा किया जा रहा है कि असल में वक्फ से जुड़ी कई संपत्तियां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) समेत अन्य सरकारी निकायों के अनधिकृत कब्जे में हैं। एक सूत्रों के हवाले से बताया गया कि समिति की पिछली बैठक में एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अकेले दिल्ली की ही ऐसी 172 वक्फ संपत्तियों की लिस्ट सौंपी, जिसको लेकर उन्होंने दावा किया कि यह एएसआई के अनधिकृत कब्जे में हैं। समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल के समक्ष ओवैसी की यह दावा एएसआई के उस दावे के बाद आई है कि जिसमें उसने कहा था कि 120 से अधिक संरक्षित स्मारकों पर अलग-अलग वक्फ बोर्ड अपना दावा कर रहे हैं। यही नहीं एएसआई के अलावा रेलवे बोर्ड, शहरी मामलों और सड़क परिवहन मंत्रालयों की ओर से भी अलग-अलग वक्फ बोर्ड पर अनधिकृत कब्जे के आरोप लगाए गए हैं।

असम भाजपा ने नौ ...

अभियान के दौरान दर्ज की गई कुल सदस्यता को पार कर गया है। शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश ने पहले ही केवल 9 दिनों में 20,43,796 सदस्यों को नामांकित किया है। वास्तव में, हम पहले ही 2019 में नामांकित कुल सदस्यता को पार कर चुके हैं। हम सदस्यता अभियान को और भी अधिक समर्पण के साथ जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि 2019 में कुल सदस्य 18 लाख थे और यह डेढ़ महीने में पूरा हुआ था। लेकिन पिछले 9 दिनों में असम में भाजपा का सदस्यता अभियान 20.43 लाख को पार कर गया है। भाजपा का सदस्यता अभियान 25 सितंबर तक जारी रहेगा। आज हमने बीटीएडी क्षेत्र में सदस्यता अभियान पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की। इससे पहले, शर्मा ने बताया कि अभियान के पहले सप्ताह में ही लगभग 13 लाख लोग भाजपा में शामिल हो चुके हैं। सदस्यता अभियान में मजबूत भागीदारी जारी है, तथा भाजपा आगामी चुनावों से पहले असम में अपना आधार और विस्तारित करना चाहती है।

मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट ...

पुलिस ने कई माह की लंबी जांच के बाद 48 घंटे पहले बुधवार को अदालत में किया। थॉमस जेल की सलाखों के पीछे है। थॉमस और क्रिस्टीना से दो संतान (पुत्रियां) हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार, 38 वर्षीय क्रिस्टीना जोक्सिमोविक स्विट्जरलैंड के बेसल शहर के पास बिनिंगेन में परिवार (पति और दो पुत्रियों) के साथ रहती थीं। 13 फरवरी को उनकी मौत हो जाने की सूचना पुलिस को मिली। इसके बाद 41 वर्षीय उनके पति थॉमस से पूछताछ की गई। पहले तो इधर-उधर करता रहा। कड़ाई से पूछताछ में उसने गुनाह कुबूल कर लिया। उसे हिरासत में लेकर जांच शुरू की गई। 11 सितंबर को लुसाने में देश की संघीय अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। अभियोजन पक्ष के इस हत्याकांड के तौर-तरीके सुनकर लोग सन्न रह गए। अदालत ने जमानत याचिका खारिज करते हुए लिखा कि ऐसा कोई मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति ही कर सकता है। क्रिस्टीना जोक्सिमोविच के बेजान शरीर को आरा, चाकू और बगीचे की कैंची से टुकड़े-टुकड़े किया गया। इसके बाद कुछ टुकड़ों को पीसकर उसमें रासायनिक घोल मिला दिया गया। उल्लेखनीय है कि जोकसिमोविक मिस नॉर्थवेस्ट स्विट्जरलैंड रह चुकी हैं। उन्होंने 2007 में मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट जगह बनाई थी। इसके बाद उन्होंने कैटवॉक कोच के रूप में करियर शुरू किया। 2013 में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सोनापुर अतिक्रमण हटाओ अभियान

उपद्रवियों की पहचान और कानूनी कार्रवाई का निर्देश

उपद्रवियों के हमले में 22 सरकारी अधिकारी एवं 13 आम लोग घायल, दो की मौत : डीजीपी

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिला के सोनापुर में ड्यूटी पर तैनात सरकारी अधिकारियों पर हमले की घटना के संबंध में असम पुलिस के महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा है कि इस घटना में शामिल सभी लोगों के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए पूरी स्थिति का खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि कामरूप (मेट्रो) जिला के राजस्व अधिकारी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए गत 9 सितंबर से जिला के सोनापुर राजस्व सर्कल के अधिसूचित आदिवासी बेल्ट में सरकारी भूमि से बेदखली की कार्यवाही कर रहे हैं। इस प्रक्रिया के दौरान, जनजातीय क्षेत्र में अनाधिकृत

लोगों द्वारा 237 अवैध रूप से बनाए गए ढांचों को हटाते हुए 248 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है जो ऐसी संरचनाओं का निर्माण करने के लिए प्राधिकृत नहीं हैं। डीजीपी ने बताया है कि गत 12 सितंबर को ऑन-ड्यूटी पुलिस सहित सरकारी अधिकारियों पर धारदार हथियारों से हमला किया गया और उन पर पत्थर फेंके गए, जिससे उन्हें सरकारी ड्यूटी में बाधा पहुंचाई गई और घातक इरादे से गंभीर चोटें आई। इसमें 22 सरकारी अधिकारियों (अब तक उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार) को चोटें आई हैं जिनमें गंभीर चोटें भी शामिल हैं। सरकारी वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया गया। उन्होंने बताया है कि शरारती तत्वों द्वारा लक्षित ऐसे हमलों के मद्देनजर, पुलिस ने भी उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए सीमित बल के उपयोग का सहारा लिया। जिसके चलते 13 लोग घायल हुए थे, जिनमें से दो को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया है। डीजीपी ने कहा है कि गुवाहाटी पुलिस को सरकारी अधिकारियों पर हमले में शामिल सभी उपद्रवियों की पहचान करने और कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। निष्कासन के चौथे दिन यानी 12 सितंबर को सरकारी अधिकारियों पर हुए हमले के पीछे की साजिश की भी जांच की जाएगी और इसमें शामिल सभी लोगों को दंडित किया जाएगा, जिसमें भड़काने वाले और षड्यंत्रकारी शामिल हैं। पुलिस द्वारा बल प्रयोग के संबंध में उचित सांविधिक प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। सरकारी अधिकारियों और घायलों को उचित उपचार प्रदान किया जा रहा है।

तालाब से नवजात शिशु का शव बरामद

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के बिलासीपारा के द्विपरकुटी इलाके में स्थित एक तालाब में नवजात शिशु का शव देखे जाने बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि द्विपरकुटी इलाके में शुक्रवार को एक नवजात शिशु का शव स्थानीय लोगों द्वारा देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से तालाब से नवजात बच्चे का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि किसी महिला द्वारा अपने बच्चों को जन्म देने के तुरंत बाद तालाब में फेंका गया होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि किसी महिला द्वारा अपने कुकर्म को छुपाने के लिए बच्चे को जन्म देने के बाद उसे तालाब में फेंका होगा।

संदिग्ध नागरिकों को डिमोरिया छोड़ना ही होगा : स्थानीय संगठन

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) के सोनापुर के कसुतली में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों पर हमले की घटना के संदर्भ में स्थानीय दल एवं संगठनों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए घटना में शामिल सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। शुक्रवार को सोनापुर में स्थित डिमोरिया जिला ट्राइबल संघ के कार्यालय में आयोजित एक सभा के दौरान ऑल असम ट्राइबल संघ की डिमोरिया शाखा, ऑल असम छात्र संघ की डिमोरिया शाखा सहित स्थानीय दल एवं संगठनों ने हिस्सा लिया। सभी संगठन के कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में अवैध नागरिकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की। संदिग्ध नागरिकों द्वारा पुलिस और सरकारी अधिकारियों पर हमले किए जाने को लेकर स्थानीय संगठनों ने शनिवार को विरोध-प्रदर्शन करने की बात कही है। वहीं संदिग्ध नागरिकों को 16 सितंबर के दिन 12:00 तक डिमोरिया छोड़ने की अंतिम समय सीमा स्थानीय संगठनों द्वारा दी गई है। संगठनों ने डिमोरिया के कल कारखानों से संदिग्ध नागरिकों को हटाकर स्थानीय नागरिकों की बहाली किए जाने की मांग की है।

सामगुड़ी में शिक्षक ने छात्र-छात्रा को हाथ-पैर बांधकर पीटा

नगांव (हिंस)। सामागुड़ी में एक स्कूल के प्रधानाचार्य पर छात्र-छात्रा को हाथ-पैर बांधकर पीटने का आरोप लगा है। आरोपों के अनुसार विद्यालय के छात्र-छात्रा के बीच प्रेम संबंधी जानकारी मिलने के बाद शिक्षक ने दोनों के हाथ-पैर बांध दिए। घटना सामागुड़ी के मोवामारी जातीय विद्यालय की है। पुलिस ने आज बताया कि अभिभावकों ने स्कूल के प्रधानाचार्य सुलेमान अली पर आरोप लगाते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी के आधार पर सामागुरी पुलिस ने प्रधानाचार्य को गिरफ्तार कर लिया है। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि प्रेम कारणों से प्रिंसिपल द्वारा बच्चों को तालिबानी तरीके से पीटा गया।

राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण गठित करेगी सरकार : रनोज पेगू

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्य विद्यालय मानक प्राधिकरण (एसएसएसए) का गठन करेगी। यह विद्यालयों का निरीक्षण करने, उनकी स्थिति का आकलन करने और निर्धारित शर्तों के आधार पर उन्हें ग्रेड देने के लिए जिम्मेदार होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने विद्यालयों के लिए ग्रेडिंग प्रणाली की आवश्यकता थी। अब सभी विद्यालय एसएसएसए ढांचे के अंतर्गत आएंगे। जब हम विद्यालयों को वर्गीकृत करेंगे, तो हम जान पाएंगे कि हमें किन क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है और उन क्षेत्रों में कैसे हस्तक्षेप करना है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नाक) के मॉडल से प्रेरित होकर असम सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने के लिए एसएसएसए गठित करेगी। यह स्कूली शिक्षा के लिए एक समान ढांचा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हम उच्च शिक्षा में नाक के बारे में जानते हैं। हमारे सभी कॉलेजों का नाक ने मूल्यांकन किया है। इसी तरह, स्कूली शिक्षा के लिए एसएसएसए होगा। हम नाक जैसा ढांचा तैयार करना चाहते हैं।

शक्तिआश्रम सहकारी समिति की वार्षिक सभा संपन्न

कोकराझाड़ (हिंस)। जिला के फकीराग्राम स्थित शक्तिआश्रम सहकारी समिति के प्रांगण में आज अध्यक्ष दिलीप राय की अध्यक्षता में शक्तिआश्रम सहकारी समिति की 51वीं वार्षिक साधारण सभा आयोजित की गयी। सभा में कोकराझाड़ जिले की सहकारी समितियों के निरीक्षक रेजाउल इस्लाम, राजू राय के साथ ही समिति के महासचिव प्रबोध चंद्र राय, सदस्य, डीलर आदि मौजूद रहे। सभा में गत वर्ष 2023-24 के आय-व्यय का ब्यौरा रखा गया, जिसे सर्वसम्मित से पारित किया गया। इस दौरान समिति के विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया। सभा के अंत में अध्यक्ष ने अपनी बातें रखते हुए धन्यवाद ज्ञापन कर सभा के संपन्न होने की घोषणा की। साथ ही सभा को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

ऑनलाइन ट्रेडिंग से संबंधित 32 मामले सीबीआई को सौंपेगी सरकार : मुख्यमंत्री शर्मा

असम कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

गुवाहाटी (हिंस)। ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग घोटाले से संबंधित 32 मामले सीबीआई को सौंपने का असम सरकार ने निर्णय लिया है। असम कैबिनेट की आज हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि इस संदर्भ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ उनकी बातचीत हो चुकी है। राज्य के मुख्य सचिव के साथ हुई बातचीत में सीबीआई के निदेशक ने भी इन मामलों की जांच करने पर सहमति जताई है। कैबिनेट की आज हुई साप्ताहिक बैठक में इनके अलावा कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। कैबिनेट में राज्य के 4669 संविदा शिक्षकों की सेवाएं नियमित करने के प्रस्ताव को भी पारित किया गया। वहीं, 19 सितंबर को फ्लैक्सिबल स्कीम की शुरुआत की जाएगी। जिसके तहत राज्य के सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों में 12 लाख 60 हजार नए

अरुणोदय लाभार्थियों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिसे 10 जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। 10 जनवरी को राज्य सरकार अरुणोदय 3.0 के लाभार्थियों को पहली किस्त उपलब्ध कराएगी। वहीं, 19 सितंबर से ही राज्य के 17 लाख नए लोगों को राशन कार्ड देने की योजना भी शुरू की जाएगी। इनके अलावा सरकार मुख्यमंत्री असम आत्मनिर्भारशील योजना के तहत 25 हजार 238 लाभार्थियों को दो-दो लाख रुपए व्यापार करने के लिए देगी। तीन नवंबर को लाभार्थियों को यह राशि उपलब्ध करवा दी जाएगी। इन दो लाख रुपयों में से एक लाख रुपए पांच साल के बाद और 10 साल के अंदर आसान किस्तों में वापस करना होगा, जिस पर कोई ब्याज देने की आवश्यकता नहीं होगी। इनके अलावा कैबिनेट की बैठक में कोकराझाड़ में 107 करोड़ रुपए की लागत से स्टेडियम का निर्माण कराने, डाउन टाउन हॉस्पिटल के सामने 111 करोड़ रुपए लागत से फ्लावर का निर्माण कराने, असम राज्यिक चिड़ियाखाना का दो किस्तों में 365 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिकीकरण कराने तथा डेसॉल्ट एविएशन नामक कंपनी के साथ असम इंजीनियरिंग कॉलेज समेत राज्य के 50 कॉलेजों में ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाने के लिए 40 करोड़ रुपए की राशि का निवेश करने संबंधित निर्णय लिए गए। इसमें राज्य सरकार 40 करोड़ रुपए निवेश करेगी, जबकि डेसॉल्ट एविएशन नामक कंपनी 200 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इनके अलावा भी आज कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

रंगिया में एक व्यक्ति को गोली मारकर किया घायल

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला अंतर्गत रंगिया के दीप्ति नगर में गुरुवार रात ज्योतिप्रकाश शर्मा नामक शख्स ने एक व्यक्ति को गोली मारकर घायल कर दिया। घायल व्यक्ति की पहचान मृदुल बनिया के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि घायल मृदुल को नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बहस में उलझने के बाद ज्योतिप्रकाश ने मृदुल पर दो राउंड गोलियां चलाईं। जिससे मृदुल घायल हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ज्योतिप्रकाश की पिस्तौल जब्त कर ली है। ज्योतिप्रकाश शर्मा इससे पहले भी अपनी लाइसेंसी पिस्तौल से दहशत फैल चुका है। इस घटना को लेकर इलाके में हड़कंप मच गया है।

पूसीरे के महाप्रबंधक ने लमडिंग में सघन संरक्षा निरीक्षण किया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने आज परिचालनिक दक्षता, बुनियादी संरचनाओं के विकास और रेलवे नेटवर्क के समग्र कामकाज का आकलन करने के लिए लमडिंग में गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक के साथ मुख्यालय और मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण थे। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि किसी भी सुरक्षा कारणों से निपटने के लिए सुरक्षा बलों की तैयारी की समीक्षा हेतु लमडिंग में रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) के बेस की पहली बटालियन में दौरे के साथ यह निरीक्षण शुरू हुआ। इसके बाद, उन्होंने डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डेमू) शेड और लमडिंग रेलवे स्टेशन के पिट लाइन का निरीक्षण किया। उन्होंने डेमू ट्रेन के नए रेक का भी निरीक्षण किया, जिसे एक नए रूपरंग परियोजना के साथ शुरू किया गया है। इससे रखरखाव का समय उल्लेखनीय रूप से काफी कम हो जाएगा। महाप्रबंधक ने रेल और वेल्ड परीक्षण के लिए जिम्मेदार अल्ट्रासोनिक

फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) टीम के साथ बातचीत भी की और टर्नआउट अनुरक्षण में लगे परमानेंट वे (पी.वे) गैंग से बातचीत कर यह सुनिश्चित किया कि ट्रैक की बुनियादी संरचना अच्छी स्थिति में और ट्रेन परिचालन के लिए सुरक्षित है। इसके बाद, महाप्रबंधक ने मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय में सभी मंडल अधिकारियों के साथ एक सार्थक बैठक की। उन्होंने मंडल के कार्यों की समीक्षा की और कर्मचारियों को सेवा एवं संरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। महाप्रबंधक ने लमडिंग स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का भी दौरा किया, जिसमें अमृत स्टेशन पहल भी शामिल है। इस पहल का उद्देश्य यात्री सुविधाओं और स्टेशन के बुनियादी संरचना को अपग्रेड करना है। यह निरीक्षण कार्यक्रम लमडिंग-होजाई सेक्शन के विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के साथ संपन्न हुआ, जहां महाप्रबंधक ने ट्रैक की स्थिति और सेक्शन के समग्र परिचालनिक कार्यों का मूल्यांकन किया। महाप्रबंधक द्वारा स्वयं किया गया यह सघन निरीक्षण परिचालनिक उत्कृष्टता बनाए रखने तथा यात्री सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए पूसीरे की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए है। महाप्रबंधक ने सभी कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना कर इस क्षेत्र में रेल सेवाओं को बढ़ाने में निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

ओरांग राष्ट्रीय उद्यान 1 अक्तूबर से पर्यटकों के लिए खुलेगा

दरंग (हिंस)। पर्यटकों के लिए ओरांग नेशनल पार्क और टाइगर प्रोजेक्ट (बाघ क्षेत्र) 1 अक्तूबर से पर्यटकों और आगंतुकों के लिए खुलने जा रहा है। राष्ट्रीय उद्यान हर सप्ताह के सोमवार को आगंतुकों के लिए बंद रहेगा। मंगलदै वन प्रभाग के वन्यजीव अधिकारी ने अधिसूचना के माध्यम से इसकी जानकारी दी है।

No. SSUHS/155/2024/5150

EDUCATIONAL NOTICE

COUNSELLING FOR SELECTION OF CANDIDATES FOR ADMISSION INTO B.SC.MEDICAL TECHNOLOGY COURSES IN THE MEDICAL COLLEGES OF ASSAM FOR THE SESSION 2024-25 UNDER SSUHS

It is for information of ail concerned candidates that counselling for selection of candidates for admission into **B.Sc. Medical Technology Courses** in the 4(four) Medical Colleges of Assam at Gauhati Medical College, Guwahati/ Assam Medical College, Dibrugarh/ Silchar Medical College, Silchar/ Jorhat Medical College, Jorhat for the **session 2024-25** under Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences (SSUHS) wil! be held on **20 & 21 September, 2024 from 10.00 AM onwards** at the Conference Hall of SSUHS.

The Schedule of counselling is as follows:

(A) All DIVYANG candidates = 20/09/2024
(B) From Rank 1 to Rank 199 (Unreserved candidates) = 20/09/2024
(C) From Rank 1 to Rank 261 (EWS candidates) = 20/09/2024
(D) From Rank 1 to 751 (OBC(NCL)/MOBC candidates) = 21/09/2024
(E) From Rank 1 to 942 (SC candidates) = 21/09/2024
(F) From Rank 1 to 1054 (ST(P) candidates) = 21/09/2024
(G) From Rank 1 to 987 (ST(H) candidates) = 21/09/2024

(Rank wise seats will be allotted till the availability of seats in that particular category)

The candidates are requested to bring the following original documents along with one set of attested photocopies at the time of counselling.

i. Passport size photograph
ii. Admit Card of H.8.L.C. Examinatton (Age Proof).
iii. Mark Sheet and Pass Certificate of H.S.S.L.C. or equivalent examination.
iv. Caste Certificate (wherever applicable).
v. Permanent Resident Certificate of Assam.
vi. Score Card of Entrance Examination

Name of the Courses:

i. B.Sc. in Cardiac Care Technology= 10 seats
ii. B.Sc. in Dialysis Technology = 10 seats
iii. B.Sc. in Trauma and Emergency = 30 seats
iv. B.Sc. in OT Technology = 30 seats
v. B.Sc. in Anaesthesia and Critical Care = 30 seats
vi. B.Sc. in Medical Laboratory Technology = 60 seats
vii. B.Sc. in Blood Banking Technology = 20 seats
viii. B.Sc. in ICU Technology = 15 seats
ix. B.Sc. in Radiography and Imaging Technology = 20 seats
x. Bachelor in Physiotherapy = 30 seats

A non-refundable counselling fee of Rs.750/- (Rupees seven hundred fifty) only is to be paid online before appearing in the Counselling through the link available in University website (www.ssuhs.in — Fee Collect — Student Category — Counselling Fee — B.Sc. Medical Technology) and a copy of E-receipt shail have to be submitted at the time of counseling. Also admission fee of Rs.18,000/- (Rupees eighteen thousand) only per year shall have to be paid by the candidates if selected.

-- Janasanyog /D/5684/24/14-Sep-24

Registrar,
Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences

असम राइफल्स, लोखरा के तत्वधान डोरिका अस्पताल के सहयोग से महिलाओं के बीच लगाया गया स्वास्थ्य जांच शिविर

विश्वनाथ (विभास)। असम राइफल्स व डोरिका अस्पताल के सहयोग से महिलाओं के बीच चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। लोखरा, असम में असम राइफल्स यूनिट अस्पताल में महिलाओं में अस्थि खनिज घनत्व की जाँच करने के लिए। शिविर ने नागरिकों और असम राइफल्स कर्मियों के परिवारों को चिकित्सा सहायता प्रदान वा स्वस्थ स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर जोर दिया और 35 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में हड्डियों के स्वस्थ के मुद्दों का शीघ्र केसे पता लगाया जाए। इस विषय पर भी चर्चा हुई श्रेयांस दुग्गड़ (एचआर हेड) के नेतृत्व में डोरिका अस्पताल की एक टीम ने अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। कुल 120 महिलाओं का परीक्षण किया गया। इस पहल में निवारक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए, अपने कर्मियों और स्थानीय समुदाय दोनों की भलाई के लिए असम राइफल्स की प्रतिबद्धता को उजागर किया। शिविर की सफलता ने चिकित्सा जागरूकता को बढ़ावा देने में सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया।

सोनापुर मामले को लेकर एबीएमएसयू ने आज आंदोलन चलाने की दी धमकी

रंगिया (निसं)। सोनापुर बेदखली मामले पर रंगिया प्रेस क्लब में अखिल भारतीय अल्पसंख्य छात्र संघ (एबीएमएसयू) की प्रेस कांफ्रेंस। एबीएमएसयू के अध्यक्ष टायसन हुसैन सहित कई एबीएमएसयू पदाधिकारियों ने एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया। सोनापुर बेदखली मामले को लेकर शनिवार को बीटीआर क्षेत्र में आंदोलन करने की जानकारी दी। एबीएमएसयू असम के मुख्यमंत्री के निरंकुश शासन के खिलाफ 14 नवंबर को दिल्ली में भी धमाल मचाएगा। मुख्यमंत्री पर संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों को कम करने का आरोप लगाया है। एबीएमएसयू ने चेतावनी दी कि सरकार कानूनी रूप से बेदखल करे, कोई आपत्ति नहीं है, वह जरूरत में सहयोग करेंगे, लेकिन बिना रोजगार के लोगों को बेदखल करके अमानवीय तरीके से मारना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। टायसन हुसैन ने कहा कि मुस्लिम परिवारों की तलाश कर उन्हें बेदखल कर रहे हैं। एबीएमएसयू ने सरकार पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया है। इसके खिलाफ सघन लोकतांत्रिक आंदोलन होगा। हम यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि सरकार कानूनी रूप से बेदखल करे, कोई आपत्ति नहीं है, हम जरूरत में सहयोग करेंगे लेकिन हम बिना रोजगार और लोगों की हत्या के अमानवीय बेदखली बर्दाश्त नहीं करेंगे की चेतावनी दी है।

संपादकीय

'नैतिक नाकामी' के कारण

दिल्ली के भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करने का आग्रह किया है। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल कई महीनों से जेल में बंद हैं, पांच महीने से कैबिनेट की बैठक तक नहीं हुई है और न ही विधानसभा सत्र बुलाया जा सका है। मुख्यमंत्री किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते, लिहाजा दिल्ली के छठे वित्त आयोग का गठन नहीं किया जा सका है। यह संविधान का सरासर उल्लंघन है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की कई रपटें सदन में पेश नहीं की जा सकी हैं। दिल्ली अद्र्धराज्य में संवैधानिक, प्रशासनिक, सरकार और अंततः जनता के स्तर पर बहुत कुछ ठप पड़ा है, लिहाजा इस सरकार को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। भाजपा विधायकों ने यह पत्र तब लिखा है, जब विधानसभा चुनाव मात्र 4-5 माह दूर हैं और बर्खास्तगी के बाद वैकल्पिक सरकार बनाना व्यावहारिक नहीं है। चूंकि पत्र विधायकों ने लिखा है, लिहाजा यह राजनीतिक कवायद है। राष्ट्रपति ऐसे पत्रों के आधार पर सरकारें बर्खास्त नहीं किया करते। अलबत्ता औपचारिकता निभाते हुए राष्ट्रपति ने वह पत्र गृह मंत्रालय को भिजवा दिया। यदि दिल्ली के उपराज्यपाल सरकार और राजधानी शहर के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अपनी रपट भेजते और राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा करते, तो उस पर गंभीर विचार किया जा सकता था। प्रधानमंत्री के साथ भी इस मुद्दे पर विमर्श किया जा सकता था। तब भी यह जरूरी नहीं था कि फाइल 'राष्ट्रपति भवन' भेजी ही जाती। दरअसल यह अध्याय केजरीवाल ने खुद लिखा है। बीते दोनों चुनावों में उनकी आम आदमी पार्टी (आप) को एकतरफा, प्रचंड बहुमत मिला था। दिल्लीवालों ने उसे एक अवसर देना तय किया था। शराब घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोप में जब मुख्यमंत्री को ही जेल जाना पड़ा, तो उससे पहले ही केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था। यह केजरीवाल की 'नैतिक नाकामी' थी कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। बेशक संविधान इस संदर्भ में खामोश है कि यदि एक मुख्यमंत्री को जेल होती है, तो उसकी संवैधानिक बाध्यता और व्यवस्था क्या होगी? शायद संविधान रचने वाले हमारे पुरखों ने इस स्थिति की कल्पना तक नहीं की थी कि भ्रष्टाचार के आरोप में किसी मुख्यमंत्री को, बिना सजा सुनाए, जेल में बंद करने की नौबत आ सकती है। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने भी केजरीवाल की नैतिकता का फैसला उन्हीं पर छोड़ दिया था। केजरीवाल को अदालत से जमानत भी नहीं मिल पा रही है। इन परिस्थितियों में केजरीवाल एक राष्ट्रवादी आंदोलनकारी की तरह हुंकार भरते रहे हैं कि वह जेल से ही सरकार चलाएंगे। शायद उन्हें जानकारी नहीं थी कि जेल में हदबंदियां और पाबंदियां कितनी होती हैं! वह बैठक तक नहीं कर सकते थे। कैबिनेट की बैठक बुलाना निषेध था। मौखिक रूप से, अपनी पत्नी के जरिए, सरकार के मंत्रियों और 'आप' के ओहदेदारों को कितने निर्देश दे सकते थे? राष्ट्रीय राजधानी में इसके नतीजे सामने और स्पष्ट दिख रहे हैं। केजरीवाल ने अभी तक किसी भी नेता या विधायक पर भरोसा नहीं किया है कि वह उसे नया मुख्यमंत्री बनवा सकते। बेशक पूरी दिल्ली में अराजकता का माहौल है। गर्मियों में आम आदमी को पानी नसीब नहीं हुआ और उसे टैंकर के पानी के लिए हाथापाई तक उतरना पड़ा। मॉनसून का मौसम आया और बारिश होने लगी, तो दिल्ली पानी-पानी हो गई। सांसदों के अतिविशिष्ट क्षेत्र के घरों तक में पानी घुस गया। इतना जलजमाव और जलभराव हुआ कि 50 से अधिक मासूम लोगों की मौत तक हो गई। पानी में करंट तैरने लगा, जिसके संपर्क में आने से भी कुछ मौतें हुईं। चुनाव फरवरी, 2025 से पहले होने हैं। हमें नहीं लगता कि केंद्र सरकार 'राष्ट्रपति शासन' लगाने की पराकाष्ठा तक जाएगी। उससे केजरीवाल और 'आप' के पक्ष में सहानुभूति की लहर पैदा हो सकती है। वैसे भी दिल्ली सरकार पर पूरी हुकूमत केंद्र सरकार की है, क्योंकि उपराज्यपाल उसका प्रतिनिधि है और वही 'मुखिया' है।

संविधान का सरासर उल्लंघन है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की कई रपटें सदन में पेश नहीं की जा सकी हैं। दिल्ली अद्र्धराज्य में संवैधानिक, प्रशासनिक, सरकार और अंततः जनता के स्तर पर बहुत कुछ ठप पड़ा है, लिहाजा इस सरकार को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। भाजपा विधायकों ने यह पत्र तब लिखा है, जब विधानसभा चुनाव मात्र 4-5 माह दूर हैं और बर्खास्तगी के बाद वैकल्पिक सरकार बनाना व्यावहारिक नहीं है। चूंकि पत्र विधायकों ने लिखा है, लिहाजा यह राजनीतिक कवायद है। राष्ट्रपति ऐसे पत्रों के आधार पर सरकारें बर्खास्त नहीं किया करते। अलबत्ता औपचारिकता निभाते हुए राष्ट्रपति ने वह पत्र गृह मंत्रालय को भिजवा दिया। यदि दिल्ली के उपराज्यपाल सरकार और राजधानी शहर के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अपनी रपट भेजते और राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा करते, तो उस पर गंभीर विचार किया जा सकता था। प्रधानमंत्री के साथ भी इस मुद्दे पर विमर्श किया जा सकता था।

भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे

'तरंग शक्ति': गरज रहा भारत का आसमान

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है।

भारत की निरंतर बढ़ती रक्षा क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर उजागर करने तथा विविध भागीदारी अंतर्राष्ट्रीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने में अभ्यास के महत्व को रेखांकित करने के लिए इन दिनों जोधपुर में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' का आयोजन चल रहा है, जो भारत की रक्षा कूटनीति और सैन्य सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है। इस 'वॉर एक्सरसाइज' में भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। जोधपुर के आसमान में जब भारत की 'सूर्य किरण टीम' ने 9 हॉक्स विमानों के जरिये जोधपुर के आसमान में 'तिरंगा' बनाते हुए विलक्षण करतब दिखाए तो हर कोई दांतों तले उंगली दबाये उसे निहारता ही रह गया। 'तरंग शक्ति' के दौरान 9 सितंबर को तो जोधपुर में भारत की तीनों सेनाओं ने उस समय इतिहास रच दिया, जब पहली बार जल, थल और वायु सेना के उप-प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। यह पहला अवसर था, जब आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह और नौसेना के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन ने 'तेजस' में उड़ान भरी और भारत के तीनों वाइस चीफ की ये उड़ान भारत के लिए रणनीतिक तौर पर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तरंग शक्ति में भारतीय वायुसेना के राफेल, सुखोई, मिराज, जगुआर और तेजस विमान पूरी दुनिया को अपना जलवा दिखा रहे हैं, वहीं अमेरिका के ए-10 थंडरबोल्ट, ग्रीक के एफ-16 फाइटिंग

फाल्कन, ऑस्ट्रेलिया के एफए-18 हॉरनेट, जापान के मित्सुबिशी एफ-2 सहित अन्य देशों की एफ-16 विमान के साथ आई टीमें साथ मिलकर एयर-टू-एयर तथा एयर-टू-ग्राउंड ऑपरेशन में अपनी-अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। 'तरंग शक्ति' के पहले और दूसरे चरण में कुल 800 सैनिक शामिल हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की रायल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स ने भारतीय वायुसेना के 'तरंग शक्ति' अभ्यास के दूसरे चरण में हिस्सा के लेने के लिए पहली बार अपने लड़ाकू विमानों को भारत भेजा है। 12 सितंबर से तरंग शक्ति में 'डिफेंस एक्सपो' शुरू होगा. जिसमें स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस, लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर ध्रुव शामिल है, साथ ही अन्य हथियारों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। 'तरंग शक्ति' का आयोजन पहले 2023 के अंत में करने की योजना थी लेकिन कुछ कारणों से उसे उस समय टाल दिया गया था और अब आयोजित किए जा रहे इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में स्वदेशी वायु रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को दर्शाया जा रहा है। इस वायु अभ्यास में भारतीय वायुसेना अपने हल्के लड़ाकू विमान, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर तथा हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी प्लेटफार्मों का प्रदर्शन कर रही है। इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास का उद्देश्य इसमें हिस्सा लेने वाले सभी देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देना, उन्हें सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और परिचालन समन्वय में सुधार करने में सक्षम बनाना है। 'तरंग शक्ति' में उड़ान और जमीनी प्रशिक्षण के अलावा रक्षा प्रदर्शनियां तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं और वायु अभ्यास में हिस्सा ले रहे देशों के रक्षाकर्मी भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों का दौरा भी करेंगे। 'तरंग शक्ति' भारत में आयोजित हो रहा अभी तक का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय वायु अभ्यास है, जो अपने यथार्थवादी युद्ध परिदृश्यों और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के लिए जाने जाते रहे अमेरिका के नेतृत्व वाले 'रेड फ्लैग' अभ्यास से प्रेरित बताया जाता है। करीब तीन महीने पहले 4 से 14 जून 2024 तक अलास्का में अयोजित हवाई अभ्यास 'रेड फ्लैग 2024' के दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना ने भी हिस्सा लिया था। सिंगापुर तथा अमेरिकी विमानों के साथ भारतीय राफेल भी उस संयुक्त अभ्यास में शामिल हुआ था। इन आयोजित मिशनों में आक्रामक काउंटर एयर और एयर डिफेंस भूमिकाओं में लार्ज फोर्स एंगेजमेंट के एक भाग के रूप में बियॉन्ड विजुअल रेंज युद्ध अभ्यास शामिल थे। अमेरिका द्वारा 'रेड फ्लैग' अभ्यास वर्ष में चार बार आयोजित किया जाता है और इसके दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना के अलावा सिंगापुर वायुसेना, ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स, रॉयल नीदरलैंड्स वायुसेना और जर्मन लूफ्टवाफे ने भी हिस्सा लिया था। भारतीय वायुसेना ने रेड फ्लैग में पहली बार 8 राफेल लड़ाकू विमान तैनात किए थे, जिन्हें ट्रान्साटलांटिक यात्रा के लिए आईएल-78 मध्य-हवा में ईंधन भरने वाले विमानों के साथ-साथ सी-17 ग्लोबमास्टर विमान की भी सहायता मिली थी। भारतीय वायुसेना द्वारा इससे पहले 1 से 10 अप्रैल 2024 तक अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए 10 दिवसीय हवाई सैन्य अभ्यास 'गगन शक्ति-2024' भी आयोजित किया जा चुका है, जिसमें देश के सभी वायुसेना स्टेशन बारी-बारी से शामिल हुए थे। उस युद्धाभ्यास में करीब 11 हजार वायु सैनिकों ने हिस्सा लिया था। 'गगन शक्ति-2024' में चीन और पाकिस्तान के साथ दो मोर्चों पर युद्ध के लिए तैयारी का परीक्षण भी किया गया था।

दृष्टि कोण

रिफंड की बाट जोहते पीएसीएल निवेशक

पिछले दिनों चिटफंड कंपनी पीएसीएल यानी पल्स ग्रुप के चैयरमेन निर्मल सिंह भंगू की मौत की खबर आई थी। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली जेल में तबीयत बिगडने के बाद भंगू को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी मौत हो गई। पल्स ग्रुप के मालिक निर्मल सिंह भंगू को पीजीएफ/पीएसीएल लिमिटेड द्वारा संचालित चिटफंड घोटाले में 8 जनवरी 2016 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था और वह तभी से जेल में था। हिमाचल, राष्ट्रीय अखबारों और राष्ट्रीय मीडिया में भंगू की मौत की खबर को ज्यादा तवज्जो नहीं मिली। राष्ट्रीय मीडिया वैसे भी अपनी गैर जरूरी बहसों के लिए बदनाम है। क्या ही अच्छा होता जो वह पीएसीएल और सहारा समूह से पीड़ित निवेशकों की व्यथा को उजागर करता। हिमाचल के निवेशकों ने भी पल्स ग्रुप में करोड़ों रुपया लगाया हुआ था और अभी भी हजारों लोगों का रुपया अटका पड़ा है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 45000 करोड़ रुपए के सामूहिक निवेश घोटाले में पीएसीएल (पूर्व में पल्स एग्रोटेक कॉर्प) के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया था जिनमें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (एमडी) निर्मल सिंह भंगू, एमडी और प्रमोटर-निदेशक सुखदेव सिंह और दो कार्यकारी निदेशक गुरमीत सिंह और सुब्रत भट्टाचार्य शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निवेशकों का पैसा रिफंड करवाने के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढ़ा के नेतृत्व में एक समिति बनाई हुई है। समिति ने समूह की सारी संपत्ति जब्त कर ली और मार्च 2016 में संपत्ति की नीलामी शुरू की। सेबी ने अभी तक 19000 रुपए तक के दावे वाले 2.08 मिलियन से ज्यादा निवेशकों को 1021.81 करोड़ रुपए का भुगतान का दावा किया है। भारत में चिटफंड, पोंजी स्कीमों, एकत्रित निवेश योजनाओं, एमएलएम यानी बहुस्तरीय विपणन, मनी सरकुलेशन और पिरामिड आकार वाली गैर बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों द्वारा निवेशकों से रुपयों की उगाही और ठगे जाने का एक लंबा इतिहास रहा है। इसी वजह से पीएसीएल लिमिटेड (पर्ल ग्रुप), पश्चिम बंगाल की शारदा ग्रुप और सहारा ग्रुप जैसी कंपनियों के निवेशकों और एजेंटों में व्यापक असंतोष है। 13 फरवरी 1996 से पर्ल एग्रोटेक कंपनी लिमिटेड द्वारा पंजाब से अपना कारोबार बढ़ाना शुरू किया गया और 2010-11 की अवधि तक पूरे भारतवर्ष में पीएसीएल ग्रुप के कुल 283 कार्यालयों द्वारा व्यापक स्तर पर भूखंड आबंटित करने के नाम पर एकत्रित निवेश योजनाओं द्वारा करोड़ों रुपयों को इक_ा किया गया। सीबीआई को 22 अगस्त 2014 को पता चला कि पीएसीएल लिमिटेड की सभी व्यावसायिक गतिविधियां एकत्रित निवेश योजनाएं हैं और कम्पनी के प्रोमोटरों पर मुकद्दमा दर्ज किया गया। भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने सुब्रत भट्टाचार्य बनाम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) सिविल अपील संख्या -13301/2015 के मामले में तथा अन्य संबंधित मामलों में 2 फरवरी 2016 को एक आदेश पारित किया था। उक्त आदेश के माध्यम से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को अन्य बातों के साथ-साथ यह निर्देश दिया गया था कि वे माननीय न्यायमूर्ति श्री आरएम लोढा (भारत के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति) की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करें ताकि पीएसीएल लिमिटेड द्वारा खरीदी गई जमीन की बिक्री को डिस्पोज ऑफ किया जा सके और बिक्री से मिलने वाले पैसों से निवेशकों को भुगतान किया जा सके जिन्होंने पीएसीएल लिमिटेड में पैसा लगाया था। पाठकों को ज्ञात होना चाहिए कि बैंक और एनबीएफसी के बीच में अंतर होता है। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी का संचालन कंपनी एक्ट 1956 के तहत होता है और आरबीआई के साथ साथ इनका पंजीकरण कंपनी अधिनियम की धारा 609 के तहत नियुक्त कंपनी रजिस्ट्रार, जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्य और संघ राज्य क्षेत्र आते हैं, के पास करवाया जाता है। वहीं बैंकों का संचालन बैंकिंग अधिनियम-1949 के तहत होता है। बैंकों में आम जनता के साथ मौद्रिक लेन-देन का दायरा व्यापक होता है जबकि एनबीएफसी छोटे बचतकर्ताओं से डिमांड डिपॉजिट स्वीकार नहीं कर सकते हैं। इसी तरह एनबीएफसी न तो अचल संपत्तियों के निर्माण में निवेश कर सकती हैं और न ही यह प्राथमिक रूप से कृषि या औद्योगिक गतिविधियों में शामिल हो सकती हैं। बैंक कृषि एवं उद्योग दोनों क्षेत्रों की वित्त संबंधी जरूरतों की पूर्ति करने के लिए अधिकृत हैं। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को सामूहिक निवेश योजनाओं, एमएलएमएपोंजी स्कीमों, लकड़ी, भेड़ बकरियों, पशुपालन, कृषि कार्यों इत्यादि से धन स्वीकार करने की अनुमति नहीं है और यह प्राइस चिट एंड मनी सरकुलेशन एक्ट 1978 के अंतर्गत एक संज्ञेय अपराध है। इस अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन पर निगरानी और आवश्यक कानूनी कार्रवाई राज्य सरकारों द्वारा की जा सकती है। मनी सरकुलेशन, मल्टी लेवल मार्केटिंग, पोंजी स्कीम ऐसी योजनाएं हैं जो सदस्यों को नामांकित होने पर आसान या त्वरित धन वापसी का वादा करती हैं। अमूमन इन स्कीमों से उत्पादों की ज्यादा बिक्री नहीं होती है, लिहाजा पिरामिड श्रृंखला टूट जाती है और पिरामिड से जुड़ा सबसे निचला सदस्य अधिकतम प्रभावित होता है।

कुछ अलग

राज सहायता का सच

राजसहायता या सहायिकी किसी आर्थिक या सामाजिक नीति को बढ़ाने के लिए दी गई वित्तीय सहायता होती है। यह आम तौर से सरकार द्वारा व्यक्तियों, कम्पनियों या संस्थाओं को दी जाती है। इसके कई रूप हो सकते हैं, जैसे कि सीधे पैसे देना, कर छूट देना, बिना ब्याज के ॠण देना इत्यादि। उपभोक्ताओं को सहायिकी किसी माल या सेवा की कीमत घटाने के लिए दी जाती है। मसलन भारत की राशन व्यवस्था में अनाज व अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती है। सहायिकी प्रदान करने का खर्चा अंततः दो ही स्रोतों से मिलता हैः या तो इसे साधारण करदाता पर कर बढ़ाकर लिया जाता है या फिर उसे मुद्रा छापकर पूरा किया जाता है जिससे महंगाई बढ़ती है। कुछ क्षेत्रों में सीमित सहायिकी देने से सामाजिक कल्याण, कमजोर वर्गों की रक्षा और अर्थव्यवस्था में व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है। कर्ज के बोझ तले बुरी तरह दबे हिमाचल प्रदेश की आर्थिक हालत किसी से छिपी नहीं है। हिमाचल प्रदेश पर बढ़ते कर्ज के बोझ की वजह से यहां बड़े विकास कार्यों की राह पर भी रोड़ा अटका पड़ा है। इस बीच हिमाचल प्रदेश सरकार ने 16वें वित्त आयोग से राज्य के विकास को आगे बढ़ाने के लिए स्पेशल ग्रांट देने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने गगल एयरपोर्ट, शिवधाम, सडक़ और पुलों के लिए फाइनेंस कमीशन से उदार मदद की मांग उठाई है। राज्य सरकार ने 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल के सामने 15 हजार 700 करोड़ रुपए का विशेष अनुदान देने का आग्रह किया है। यह अनुदान रूटीन में मिलने वाली मदद से अलग होगा है। वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेश के आर्थिक हालात लगातार बढ़ रहे कर्ज तले खराब होते जा रहे हैं जिस कारण आम लोगों की चिंता भी बढ़ रही है। प्रदेश में 42 फीसदी बजट कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मियों की पेंशन देने पर ही खर्च हो रहा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश में विकास के लिए नाममात्र का ही पैसा बचता है। जिस प्रदेश के कर्मचारियों के वेतन के लिए भी कर्ज उठाना पड़ता हो, वहां के आर्थिक सर्वेक्षण का मजमून भी अविश्वसनीय सा लगता है। यह इसलिए कि बोर्ड-निगमों की तश्तरी में सजी राज्य की जीडीपी घाटे में है। राज्य को पर्यटन, ऊर्जा व फल राज्य का दर्जा हासिल है, लेकिन इनसे जुड़े बोर्ड व निगम घाटे में हैं। राज्य सरकार अपने दम पर किसी बड़े प्रोजेक्ट को पूरा नहीं कर सकती। हर बड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए राज्य सरकार को केंद्र सरकार पर ही निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में अगर 16वें वित्त आयोग ने राज्य सरकार की मांग मान ली तो इससे राज्य को बड़ी राहत मिलेगी। सुक्खू वित्त आयोग की टीम के सामने राज्य के बदहाल आर्थिक हालात भी बयां कर चुके हैं। इसके अलावा बीते साल आई आपदा के दौरान प्रदेश को हुए नुकसान के लिए भी कम से कम पांच हजार करोड़ रुपए की मदद का आग्रह किया गया है। हाल ही में प्रदेश सरकार ने अमीरों को मिलने वाली बिजली की सब्सिडी को बंद करके भी एक सही फैसला लिया है। इसी तरह हिमाचल परिवहन में भी कुछ व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे कि केवल जरूरतमंद लोगों को ही मुफ्त सेवा मिले। आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवडियां बांटकर वोट बटोरने का कल्चर सा चल पड़ा है। यह रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवडियां बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। इस रेवड़ी कल्चर पर भी रोक लगाने की जरूरत है।

देश दुनीया से

ब्रह्मचर्य और अध्यात्म

जीवन की औसत अवधि 100 वर्ष की है तो पहले 25 वर्ष ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए शिक्षा-दीक्षा होगी, उसके बाद के अगले 25 वर्ष, यानी 50 वर्ष तक की आयु में गृहस्थ आश्रम में रहते हुए दुनियावी जिम्मेदारियां निभाना, बच्चों का पालन-पोषण और उनकी शिक्षा-दीक्षा आदि की जिम्मेदारी संभालना, यह माना जाता है कि 50 वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते बच्चे जवान हो जाते हैं, समझदार हो जाते हैं, खुद मुख्तार हो जाते हैं और मां-बाप पर निर्भरता नहीं रहती, अत: व्यक्ति अध्यात्म की ओर प्रवृत्त हो सकता है। जीवन के इस भाग को वानप्रस्थ आश्रम का नाम दिया गया है और यह संन्यास और गृहस्थ आश्रम के बीच की स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख-साधन का लालच छोड़ कर खुद को समाज की भलाई के लिए प्रवृत्त करता चलता है।

भारतीय सनातन संस्कृति में जीवन को चार भागों में बांटा गया है। अगर मान लिया जाए कि जीवन की औसत अवधि 100 वर्ष की है तो पहले 25 वर्ष ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए शिक्षा-दीक्षा होगी, उसके बाद के अगले 25 वर्ष, यानी 50 वर्ष तक की आयु में गृहस्थ आश्रम में रहते हुए दुनियावी जिम्मेदारियां निभाना, बच्चों का पालन-पोषण और उनकी शिक्षा-दीक्षा आदि की जिम्मेदारी संभालना, यह माना जाता है कि 50 वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते बच्चे जवान हो जाते हैं, समझदार हो जाते हैं, खुद मुख्तार हो जाते हैं और मां-बाप पर निर्भरता नहीं रहती, अतः व्यक्ति अध्यात्म की ओर प्रवृत्त हो सकता है। जीवन के इस भाग को वानप्रस्थ आश्रम का नाम दिया गया है और यह संन्यास और गृहस्थ आश्रम के बीच की स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख-साधन का लालच छोड़ कर खुद को समाज की भलाई के लिए प्रवृत्त करता चलता है। इसके बाद के अंतिम 25 वर्ष संसार के काम छोड़ कर व्यक्ति पूरी तरह से अध्यात्म में ही प्रवृत्त हो जाता है। सहज संन्यास मिशन ने आज की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए इसे और आसान बना दिया है। एक सहज संन्यासी कभी भी अपना परिवार नहीं छोड़ता, समाज से दूर नहीं जाता, दुनिया से दूरी नहीं बनाता, बल्कि परिवार में रहते हुए, समाज में रहते हुए, दुनिया में रहते हुए सिर्फ अपनी सोच और जीवन पद्धति में ऐसे बदलाव लाता है कि जीवन सच्चा हो जाए, प्रेममय हो जाए, आध्यात्मिक हो जाए। इसे हम सहज सुलभ मार्ग कहते हैं क्योंकि यह प्राकृतिक जीवन है और बहुत आसान है, सरल है, सहज है। अगर हम अपना सनातन इतिहास देखें तो हम पाते हैं कि हमारे आदर्श रहे ॠषि-मुनि और मनीषीजन भी विवाहित थे, संन्यासी जीवन में भी उनकी धर्मपत्नी उनके साथ थी, उनके बच्चे भी होते थे और वे आदर्श जीवन जीते थे। महर्षि गौतम की कहानी हम सबने सुन रखी है। वे गंगा स्नान के लिए गए तो देवराज इंद्र ने उनकी धर्मपत्नी देवी अहिल्या के साथ धोखा किया। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि महर्षि गौतम और उनकी धर्मपत्नी देवी अहिल्या साथ-साथ रहते थे, बल्कि संन्यासी होते हुए भी उन्हें कामदेव के आह्वान से परहेज नहीं था। यही कारण है कि अपने सनातन इतिहास में हमें बहुत से ॠषियों, उनकी धर्मपत्नी और बच्चों का जिक्र मिलता है। उस जमाने में भी ॠषि-मुनियों द्वारा गुरुकुल में शिक्षा देने की प्रथा थी तो शिक्षा का काम गुरु देखते थे और गुरुकुल की व्यवस्था की जिम्मेदारी गुरुमाता पर होती थी। एक दो उदाहरणों से ही बात समझ में आ जाएगी। महर्षि कश्यप की धर्मपत्नी देवी अदिति, महर्षि वेदव्यास की धर्मपत्नी देवी वाटिका उर्फ पिंजला थीं। आधुनिक युग में एक बड़ा भ्रम यह है कि संन्यास का मतलब है ब्रह्मचारी होना। सच तो यह है कि ब्रह्मचर्य और अध्यात्म का कोई विरोध नहीं है। ब्रह्मचारी भी आध्यात्मिक हो सकता है और गृहस्थ व्यक्ति भी आध्यात्मिक हो सकता है। यह समझना आवश्यक है कि आध्यात्मिक होने के लिए ब्रह्मचर्य कोई अनिवार्य शर्त नहीं है। यही कारण है कि सहज संन्यास मिशन की परंपरा के संन्यासीगण न केवल गृहस्थ में बने रहते हैं बल्कि वे ब्रह्मचारी भी नहीं होते। हां, यह अवश्य है कि उनमें से कोई भी व्यभिचारी भी नहीं हो सकता। सहज संन्यास परंपरा के पुरुष अथवा महिला संन्यासीगण अपने जीवनसाथी के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति से शारीरिक संबंध नहीं रख सकते। दरअसल, शुरुआती जीवन में ब्रह्मचर्य इसलिए आवश्यक है ताकि शरीर का पूरा विकास हो सके और समय आने पर व्यक्ति अपने जीवनसाथी को चरम सुख का आनंद दे सके। गृहस्थ आश्रम में भी व्यभिचार की मनाही इसीलिए है, क्योंकि एक से अधिक व्यक्तियों के साथ शारीरिक संबंध गुप्त रोगों का कारण बनते हैं, सेहत खराब होती है, और सारा परिवार दुख भोगता है। यही नहीं, व्यभिचारी व्यक्ति अपने इन संबंधों को छुपाए रखने के लिए झूठ पर झूठ बोलता रहता है। सहज संन्यास मिशन में हम संन्यासीगण अपने जीवन में व्यभिचार से परहेज के इस नियम का कड़ाई से पालन करते हैं, पर न गृहस्थ जीवन छोड़ते हैं और न ही जीवनसाथी के साथ संबंध बनाने से किनारा करते हैं। गृहस्थ जीवन से बाहर के संबंध पतन का कारण बनते हैं क्योंकि समाज में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए व्यक्ति झूठ बोलता है, अपनी कमाई, जिस पर परिवार का हक है, किसी पराये व्यक्ति पर खर्च करता है, समय बर्बाद करता है, सेहत खराब करता है। यह व्यभिचार है और यह कार्मिक हिंसा है। ऐसे आचरण वाला कोई व्यक्ति आध्यात्मिक दिख सकता है, प्रतिष्ठित हो सकता है, शक्तिशाली हो सकता है, पर आध्यात्मिक तो नहीं ही हो सकता। सहज संन्यास मिशन का स्पष्ट नियम है कि हमें अच्छा दिखना ही नहीं चाहिए, बल्कि सचमुच अच्छा होना भी चाहिए, होना ही चाहिए। सहज संन्यासी बातचीत में, व्यवहार में स्त्री और पुरुष में भेद नहीं करता।

आप का नजरीया

राहुल का 'भारत विरोध'

यह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पुरानी आदत है। यह उनकी राजनीति का हिस्सा भी है अथवा कुछ विदेशी ताकतें ऐसा करने को उन्हें उकसाती रही हैं। करीब 7-8 साल से राहुल गांधी विदेशी सरजमीं से भारत के खिलाफ विषवमन करते रहे हैं। यदि वह आरएसएस, भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ ही टिप्पणियां करें, तो उन्हें राजनीति मान कर नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन वह भारत-विरोध की तथ्यहीन, अज्ञानी, अपरिपक्व टिप्पणियां करेंगे, तो बेशक उसे 'देश-विरोध' ही समझा जाए और सरकार गंभीरता से ग्रहण कर निर्णय ले और उचित कार्रवाई करे। अब राहुल गांधी महज एक सांसद ही नहीं, बल्कि लोकसभा में 'नेता प्रतिपक्ष' हैं। वह संवैधानिक पद पर हैं और ऐसे राजनेता को 'छाया प्रधानमंत्री' आंका जाता है। यदि एक संवैधानिक व्यक्ति ही देश को अपमानित करेगा, चीन की तुलना में 'बौना' करार देगा और गलत तुलनात्मक विश्लेषण करेगा, तो यह देश, समाज और सरकार को उसे 'अक्षम्य' मानना चाहिए। ऐसा व्यक्ति देश, संविधान और कानून से ऊपर नहीं है। आजकल राहुल गांधी अमरीका में हैं। वह साक्षात्कार दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे हैं। क्या गलत तथ्य पेश कर रहे हैं और नई पीढ़ी को भ्रमित कर रहे हैं? दरअसल भारत के बारे में उनकी सोच ही गलत और पूर्वाग्रही है। वह भारत के मूल विचार को ही नहीं जानते। उनके अनुसार, भारत विचारों की विविधता वाला देश है। अमरीका की तरह राज्यों का संघ है। शायद उन्होंने संविधान के अनुच्छेद एक में जो परिभाषा दी गई है, उसे नहीं पढ़ा। पढेंग़े नहीं, तो समझेंगे कैसे? उसमें भारत को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र परिभाषित किया गया है। संघीय चरित्र और ढांचा होने के कारण उस राष्ट्र में कई राज्य भी हैं, लेकिन वे निरंकुश नहीं हैं। भारत सरकार ही संवैधानिक तौर पर उन्हें संचालित करती है। अलबत्ता राज्यों को भी कुछ अधिकार दिए गए हैं। बहरहाल राहुल गांधी ने दूसरा मुद्दा रोजगार का उठाया और दावा किया कि चीन, वियतनाम आदि कुछ देशों में 'बेरोजगारी की समस्या' ही नहीं है, जबकि अमरीका समेत पश्चिमी देशों और भारत में बेरोजगारी एक विकट समस्या है। यहां विश्व बैंक के आंकड़े गौरतलब लगते हैं, क्योंकि 2023 में चीन की बेरोजगारी दर 4.7 फीसदी थी, जबकि भारत में यही दर 4.2 फीसदी थी। यानी चीन में बेरोजगारी, भारत की तुलना में, अधिक रही है। वहां का एक ही उदाहरण पर्याप्त है कि 2 लाख नौकरियों के लिए करीब 77 लाख चीनियों ने आवेदन किया था। हम मानते हैं कि उत्पादन के क्षेत्र में चीन वैश्विक स्तर पर प्रभुत्व की स्थिति में है, लेकिन भारत भी आज 'एप्पल' और 'आईफोन 16' सरीखे अंतरराष्ट्रीय उत्पादों को बना रहा है। अब दुनिया भर में यही भारत-निर्मित उत्पाद सप्लाई किए जाएंगे और उन पर 'मेक इन इंडिया' अंकित होगा। सवाल है कि विदेशी मंचों पर राहुल गांधी, भारत के बारे में, गलत तथ्य पेश क्यों करते रहे हैं? यही नहीं, उन्होंने यहां तक कहा कि भारतीय राजनीतिक प्रणालियों और पार्टियों में प्रेम, सम्मान और विनम्रता का अभाव है।

सरकार में खींचतान से आमजन को नुकसान : पायलट

जोधपुर (हिंस)। पूर्व उपमुख्यमंत्री व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने एक बार फिर प्रदेश की भजनलाल सरकार पर हमला बोला है। पायलट ने कहा कि सामान्यत: सरकार के गठन के तीन से चार साल बाद आपसी खींचतान की स्थिति देखने को मिलती है, लेकिन यहां तो शुरुआत से ही सत्ता के अलग-अलग केंद्र बने हुए हैं। वहीं, इसका नुकसान आम लोगों को हो रहा है। सरकार का ब्यूरोक्रेसी पर कोई प्रभाव नहीं है। पायलट ने यह बात शुक्रवार को यहां जोधपुर प्रवास के दौरान मीडिया से बात करते हुए कही। प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पायलट ने कहा कि जोधपुर में इतनी दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं, जिससे लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से बिखर गया है। हर जिले में असामाजिक तत्व पांव पसार रहे हैं। सरकार में मल्टीपल पावर सेंटर बन गए हैं। किसी को पता नहीं है कि वो मंत्री है या नहीं, सरकार कुछ बोलती है, संगठन कुछ बोलता है। बहुत जल्द ही सरकार में बिखराव हो गया। इसका नुकसान जनता को उठाना पड़ रहा है, जिन कामों के वर्क ऑर्डर हमारी सरकार देकर गई थी, वो भी पूरे नहीं हो सके। पूरी तरह से सरकार विफल हो चुकी है। भजनलाल के न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश जाने के सवाल पर पायलट ने कहा कि यह कानूनी मामला है। ऐसे में मैं यह जानता हूं कि प्रदेश प्राथमिकता होना चाहिए। शिक्षा, चिकित्सा, शहरी व ग्रामीण विकास अगर नहीं हो रहा है तो यह प्रबंधन की इच्छा शक्ति की कमी और ब्यूरोक्रेसी पर अपना प्रभाव रखने की कमी सरकार में मुझे नजर आ रही है। प्रदेश में पेपर लीक को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में पायलट ने कहा कि आरपीएससी पर जनता का विश्वास उठ चुका है। विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है। इसे वापस लाना होगा। नौजवानों का भविष्य इस पर टीका हुआ है। इसका पुनर्गठन करने में किसी को क्या आपत्ति है। पूरी संस्था खोखली हो चुकी है। सदस्य जेल जा रहे हैं। ऐसे में पुनर्गठन क्यों नहीं हो सकता? अगर इच्छा शक्ति है और कोई करना चाहे तो कर सकता है, नहीं करना है तो कानूनी अड़चन का बहाना बनाया जा सकता है। नौजवानों के भविष्य पर खिलवाड करने का हक किसी को नहीं है। पायलट ने कहा कि रोजगार के मुद्दे पर भाजपा बैकफुट पर है, पार्टी कह रही है कि चार लाख रोजगार देने का संकल्प लिया है, संकल्प क्या होता है आप रोजगार दिजिए। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार एक देश एक चुनाव का नारा दे रही थी, लेकिन चार राज्यों का चुनाव एक साथ नहीं करवा पा रही है। हरियाणा और कश्मीर में चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। भाजपा की दस साल की हरियाणा की सरकार का जाना तय है। दोनों जगह हमारी सरकार बनेगी। जम्मू-कश्मीर में हम गठबंधन के साथ हैं। पायलट ने कहा कि राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद अब संसद के मुद्दे विपक्ष तय कर रहा है। सरकार को कई मुद्दों पर बैकफुट पर आना पड़ा है। भाजपा जब भी बैकफुट पर आती है तो राहुल गांधी को टारगेट करती है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश में रूख बदल रहा है। हर वर्ग परेशान है। केंद्र सरकार ने बजट का बडा हिस्सा बिहार, आंध्रप्रदेश को दिया है। इस पर हमें आपत्ति नहीं है, लेकिन राजस्थान को कुछ नहीं मिला, क्योंकि यहां 11 सीटें जनता ने हरवा दी। इससे पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट जब सुबह ट्रेन से जोधपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे, तो वहां हजारों की संख्या में उनके समर्थक मौजूद रहे। समर्थकों की भारी भीड़ पहले से ही स्टेशन पर जमा हो गई थी। पायलट के पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। समर्थकों ने पायलट को फूल माला पहनाकर और साफा बांधकर स्वागत किया। इस दौरान पायलट जिंदाबाद के नारे भी गूंजे। स्टेशन का माहौल पूरी तरह से छावनी में तब्दील हो गया। इस दौरान भारी सुरक्षा व्यवस्था नजर आई। इसके बाद पायलट सर्किट हाउस पहुंचे जहां उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया और उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। बाद में उन्होंने खेजड़ली शहीदी मेले में भाग लिया।

धौलपुर में खतरे के निशान से चार मीटर ऊपर पहुंचा चंबल नदी का जलस्तर

धौलपुर (हिंस)। पूर्वी राजस्थान के धौलपुर जिले में बीते तीन दिन से चल रहा बारिश का दौर आज थम गया। शुक्रवार को बारिश का दौर थमने के साथ ही धूप निकली तथा लोगों को अतिवृष्टि से राहत भी मिली। उधर, मौसम विभाग ने भी तीन दिन तक बारिश का दौर थमने रहने का पूर्वानुमान जताया है। प्रदेश के हाड़ौती आंचल तथा भरतपुर संभाग में बीते दो दिनों से हो रही बरसात के बाद चंबल नदी में पानी की आवक बढ़ी है। शुक्रवार को धौलपुर में चंबल नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। चंबल नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी के बाद धौलपुर जिला प्रशासन ने चंबल नदी के तटीय इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। बीते दो दिनों में भरतपुर संभाग के सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर जिले में हुई बरसात तथा प्रदेश के हाडोती आंचल से चंबल नदी में पानी की आवक होने के कारण जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। शुक्रवार सुबह चंबल नदी का जलस्तर 134.30 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 130.79 मीटर से करीब 4 मीटर अधिक है। सिंचाई विभाग के अधिशाषण अभियंता सुरेश कुमार मीणा ने बताया कि चंबल नदी का बेड लेवल 115 मीटर है। जबकि 129.79 मीटर वार्निंग लेवल तथा खतरे का निशान 130.79 मीटर है। चंबल नदी के जल स्तर पर निगरानी रखी जा रही है तथा तटीय इलाकों में सतर्कता बढ़कर सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। उधर, धौलपुर जिले में शुक्रवार को बारिश का दौर थम गया जिससे प्रशासन समेत आमजन अभी रात की सांस ली है। बारिश का दौर थमने के बाद पार्वती बांध के कैचमेंट एरिया में भी पानी की अवधि थम गई। जिसके बाद पार्वती बांध से सभी गेटों को बंद करके पानी के निकासी को बंद कर दिया गया। पार्वती बांध से पानी की निकासी बंद होने के बाद अब पार्वती नदी में भी जल स्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है। सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता सुरेश कुमार मीणा ने बताया कि पार्वती बांध को कुल भराव क्षमता 223.41 मीटर के बाद करीब एक फीट खाली छोड़ा गया है। इसके बाद बांध में पानी की आवक को देखते हुए कुल भराव होने पर बांध के गेटों को फिर से खोला जाएगा। बारिश का दौर थमने के बाद में धौलपुर के बाड़ी तथा सैपउ रोड पर हुए जलभराव में कमी आई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

केंद्र सरकार किसानों के हित में कर रही काम : केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री चौधरी

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। तेजा दशमी के अवसर पर आयोजित जाट समाज के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और प्रदेश के स्वास्थ्य शासन मंत्री झाबर सिंह चित्तौड़गढ़ पहुंचे। इस दौरान सर्किट हाउस में जिला कलक्टर आलोक रंजन, उपखंड अधिकारी बिनु देवल, नगर परिषद आयुक्त रविंद्र यादव ने उनका स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री चौधरी ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार किसानों के हित में काम कर रही है। इसके लिए किसान सम्मन निधि और विभिन्न माध्यमों से किसानों को राहत दिलाने की दिशा में काम हो रहा है। एमएसपी बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। परंपरागत फसलों के अलावा नई फसलों को भी इस क्षेत्र में शामिल किया गया है। वहीं पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए यूडीएच मंत्री झाबरसिंह ने एक राज्य एक चुनाव पर बोलते हुए कहा कि सरकार इस बात के लिए तैयार है कि बार-बार चुनाव के स्थान पर एक ही बार चुनाव कराया जाए, इससे कि सरकार को काम करने के लिए समय मिल सके और सरकार इस बात के लिए पूरी तरीके से तैयार है कि पूरे राज्य में एक साथ चुनाव करवाए जा सकते हैं। इस दौरान अतिक्रमण के मामले पर उन्होंने कहा कि अतिक्रमण को रोकने के लिए सरकार के साथ-साथ आम जन को भी जागरूक होना होगा। तेजा दशमी को लेकर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में हो रही देरी को लेकर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी में गुस्सा भी देखा गया। इस दौरान कार्यक्रम के आयोजन में अनावश्यक देरी को लेकर उन्होंने उलाहना भी दिया।

ड्रग इंस्पेक्टर ही करवा रहा था ड्रग्स तस्करी, गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस की एंटी नारकोटिक्स फोर्स ने मोहाली में ड्रग्स तस्करों से मिलीभगत कर तस्करी की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में ड्रग्स इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के ठिकानों से डेढ़ करोड़ रुपये की नगदी जब्त की गई है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार सुबह ट्वीट करके यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपित ड्रग इंस्पेक्टर अवैध रूप से काम करने वाले केमिस्टों, मेडिकल स्टोर मालिकों तथा कुछ निजी कंपनियों के साथ मिलकर नशीली दवाओं के अवैध कारोबार में लिप्त था। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस ने नशा तस्करी में शामिल ड्रग इंस्पेक्टर शीशन मित्तल को गिरफ्तार किया है। एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने उसे मोहाली से गिरफ्तार किया। डीजीपी के अनुसार आरोपित जेलों में बंद गैंगस्टरों के सीधे संपर्क में था। वह बाहर रह कर उनके ड्रग नेटवर्क को मदद पहुंचाता था।

भाजपा आरक्षण पर झूठ बोल रही, समाज में समानता लाने के लिए आरक्षण जरूरी : गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी आरक्षण पर अब भी झूठ बोल रही है। उन्होंने कहा कि समाज में समानता लाने के लिए आरक्षण जरूरी है। गहलोत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि भाजपा द्वारा 15-20 सालों तक बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी अब देश की आशा एवं अपेक्षा का केंद्र बिंदु बन गए हैं। इससे भाजपा इतनी हताश और आक्रामक हो गई है कि देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा के नेता खुलेआम राहुल गांधी की हत्या करने की बातें कर रहे हैं। ऐसे बयानों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुप्पी हैरान करने वाली है। यह दिखाता है कि अपनी सत्ता कायम रखने के लिए भाजपा किस हद तक जा सकती है। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा की सफलता से भाजपा पूरी तरह बौखला गई है और इस यात्रा को लेकर देशभर में अफवाह फैलाने लग गई है। लोकसभा चुनावों में संविधान बदलने एवं आरक्षण हटाने के इरादे लेकर गई भाजपा को जनता ने अच्छा सबक सिखाया। इसके बावजूद भाजपा आरक्षण पर झूठ बोलने से बाज नहीं आ रही है। राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि समाज में समानता लाने के लिए आरक्षण जरूरी है एवं आवश्यकता के अनुरूप इसकी सीमा भी बढ़ानी चाहिए। राहुल गांधी देश में सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसे वो अंजाम तक लेकर जाएंगे और भाजपा के आरक्षण से खिलवाड़ करने के इरादे को कभी पूरे नहीं होने देंगे। गहलोत ने कहा कि भाजपा देश को गुमराह करने का प्रयास अब बंद कर दे, क्योंकि देश समझता है कि राहुल गांधी के द्वारा अमेरिका में बोले गए एक-एक शब्द का अर्थ क्या है और इसके पीछे राहुल जी की क्या भावना है। इससे पूर्व शुक्रवार को दिल्ली रवाना होने से पहले जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में भी गहलोत ने राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान दिए गए बयानों पर सियासी विवाद के बाद भाजपा नेताओं पर पलटवार किया है। गहलोत ने राज्यपालों पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। गहलोत ने कहा कि कई राज्यों में देखने में आ रहा है कि गवर्नर हस्तक्षेप करते हैं, राजनीति करते हैं। यह पहली बार देख रहा हूं कि देश के अंदर कई राज्यों में गवर्नर और मुख्यमंत्री के बीच टकराव चलता है। यह उचित परंपरा शुरू नहीं हुई है। गहलोत ने कहा कि बंगाल की घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी। सीबीआई इन्वेस्टिगेशन कर रही है। सुप्रीम कोर्ट मॉनिटरिंग कर रहा है। मैं समझता हूं कि उनके परिणामों का इंतजार करना चाहिए। बाकी घटना बहुत संगीन रही। वहां की पुलिस ने भी ढंग से हैंडल नहीं किया।

बाढ़ की चपेट में दर्जनों गांव ग्रामीणों का रेस्क्यू जारी

जालौन (हिंस)। जनपद में नदीगांव ब्लॉक का गांव मऊ पहूज नदी की बाढ़ की चपेट में आ गया है। जिससे ग्रामीणों के मकानों में बाढ़ का पानी घुस गया है। माताटीला और राजघाट से पानी छोड़े जाने के कारण पहूज नदी में उफान आ गया है, जिससे गांव के कई हिस्सों में पानी भर गया है। ग्रामीणों के अनुसार, बाढ़ के कारण उनके मकानों में पानी घुस गया है। जिससे उनके घरों में रखे सामान और फसलें खराब हो गई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ के कारण उन्हें अपने घरों से निकलना मुश्किल हो गया है और वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी गांव में राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। उन्होंने ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए नावों और अन्य साधनों का उपयोग किया जा रहा है।

जेल में बंद खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह के रिश्तेदारों के घरों पर एनआईए की छापेमारी

चंडीगढ़ (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) जेल में बंद खालिस्तान समर्थक और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह को घेरने की तैयारी कर रही है। शुक्रवार सुबह एनआईए की टीमों ने मोगा और अमृतसर में छापेमारी की है। यह छापेमारी अमृतसर के बाबा बकाला सब-डिवीजन में हुई है। तीन जगहों पर हुई छापेमारी का सीधा संबंध अमृतपाल सिंह से है। इसके साथ ही मोगा जिले के बाघापुराना के कस्बे स्मालसर में कवि मक्खन सिंह मुसाफिर के घर पर भी छापेमारी की गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अमृतसर में राया के पास फेरुमान रोड पर अमृतपाल सिंह के चाचा परहत सिंह के घर पर छापेमारी की गई है जबकि दूसरी छापेमारी अमृतसर के सठियाला के पास बुटाला में अमृतपाल के साले के घर और तीसरी छापेमारी मेहता के बहनोई के घर पर की गई। तीनों छापे अमृतपाल से जुड़े हैं।

कानून व्यवस्था खराब करने वालों के विरुद्ध की जाएगी सख्त कार्रवाई : ओपी नरवाल

फ्लैग मार्च के दौरान मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा विधानसभा चुनावों को लेकर फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। इसी कड़ी में शुक्रवार को पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश नरवाल के नेतृत्व में शहर में भारी पुलिस व अर्धसैनिक बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान उपायुक्त फरीदाबाद विक्रम सिंह, पुलिस उपायुक्त अपराध हेमेन्द्र कुमार मीणा, पुलिस उपायुक्त सेंट्रल जसलीन कौर, पुलिस उपायुक्त एनआईटी कुलदीप सिंह, पुलिस उपायुक्त बल्लबगढ़ अनिल कुमार व पुलिस उपायुक्त यातायात उषा के साथ-साथ भारी संख्या में पुलिस बल व अर्धसैनिक बल ने फ्लैग मार्च में हिस्सा लिया। फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आमजन द्वारा अपने मताधिकार का स्वतंत्र, निष्पक्ष एव शांतिपूर्ण तरीके से प्रयोग करने के लिए आश्वस्त करना और वहीं अपराधियों में भय पैदा करना है ताकि चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनी रहे और आमजन निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। यह फ्लैग मार्च का काफिला पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर-21 सी से चलकर सेक्टर-21 डी, भगतसिंह चौक, नीलम चौक, बाटा पुल, हाडवेयर चौक, सोहना टी-प्वाइंट, बल्लबगढ़ पुल, अम्बेडकर चौक, उंचा गांव चुंगी,चंदावली पुल बाईपास रोड, सेक्टर-3 बाईपास रोड, सेक्टर-8 बाईपास रोड, सेक्टर-12 पर समापन हुआ। फ्लैग मार्च के दौरान मतदान केंद्रों का निरीक्षण करके सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा संबंधित थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, साथ ही स्टेटिक सुरवीलेंस टीम और फ्लाईंग स्क्वायड टीम को भी चेक किया गया व स्टाफ को शराब तस्करी, अवैध नगदी के आवागमन व अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं/पदार्थों पर रोक लगाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। फरीदाबाद पुलिस की आमजन से अपील है कि चुनाव में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

दोस्त को चंडीगढ़ छोड़ने जा रहे तीन युवकों की सड़क हादसे में मौत

कैथल (हिंस)। सैनिक दोस्त को जिला महेंद्रगढ़ के सतनाली से चंडीगढ़ छोड़ने जा रहे तीन युवकों की कैथल के गांव करोड़ा के पास 152 डी पर सड़क हादसे में मौत हो गई। शुक्रवार अल सुबह गांव करोड़ा के पास युवकों की स्कॉर्पियो गाड़ी सड़क पर धीमी गति से जा रहे एक ट्राले से टकरा गई। हादसा इतना भयंकर था कि तीनों दोस्तों की मौका पर ही मौत हो गई और उनके शव गाड़ी में फंस गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गैस कटर की मदद से स्कॉर्पियो के हिस्से काटने के बाद ही मृतकों के शव बाहर निकल जा सके। मरने वालों में 35 वर्षीय कृष्ण, 25 वर्षीय सुदीप और 32 वर्षीय परविंद्र फौजी शामिल है। जिसे दोस्त छोड़ने के लिए स्कॉर्पियो से चंडीगढ़ जा रहे थे। घटना की जांच कर रहे अधिकारी रामवीर शर्मा ने बताया कि भारतीय सेवा में तैनात युवक परविंदर अपने घर छुट्टी पर आया हुआ था। गुरुवार देर रात सभी दोस्त उसे छोड़ने के लिए स्कॉर्पियो गाड़ी में चंडीगढ़ की तरफ जा रहे थे। शुक्रवार बड़े तड़के तेज बारिश हो रही थी और एक ट्राला धीमे-धीमे 152 डी पर जा रहा था। तेज बरसात के कारण युवकों की स्कॉर्पियो गाड़ी ट्राली से जा टकराई। हादसे में तीनों युवकों की मौका पर ही मौत हो गई। उनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल लाया गया है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

कठिन प्रशिक्षण ले रहे हैं भारत-अमेरिका के सैन्यकर्मी

बीकानेर (हिंस)। एशिया की सबसे बड़ी महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में अब तक के सबसे बड़े भारत-अमेरिका संयुक्त प्रशिक्षण युद्ध अभ्यास-24 चल रहा है। भारत और अमेरिका के बीच 13 दिवसीय संयुक्त अभ्यास उत्साह के साथ आगे बढ़ रहा है। पीआरओ डिफेंस कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार 9 सितंबर से आयोजित किया जा रहा यह अभ्यास 21 सितंबर तक समाप्त होगा। इस अभ्यास में भारत और अमेरिका के सैन्यकर्मी कठिन प्रशिक्षण ले रहे हैं। अंतर संचालनीयता प्राप्त करने के उद्देश्य से दोनों सेनाओं के कर्मियों को पिछले एक सप्ताह से युद्ध कंडीशनिंग और सामरिक प्रशिक्षण में रखा गया था जिसमें फायरिंग अभ्यास और *बैटल हार्डनिंग* सत्र शामिल थे। भारतीय दल ने इस अवसर का उपयोग हथियारों और उपकरण प्रोफाइल, परिचालन प्रक्रियाओं और अभ्यासों और इसके विपरीत से परिचित होने का किया। अभ्यास 48 घण्टे के सत्यापन अभ्यास में समाप्त होगा जो 19 से 21 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा।

विधायक महबूब की सख्त हिदायत भूमि सर्वेक्षण में किसानों से अवैध वसूली बंद करें

कटिहार (हिंस)। बलरामपुर विधायक महबूब आलम ने भूमि सर्वेक्षण कर्मियों को सख्त हिदायत दी है कि वे किसानों से अवैध वसूली नहीं करें और उनके काम को आसान बनाते हुए आसान तरीके से सर्वेक्षण करें। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और उनका शोषण नहीं किया जाना चाहिए। विधायक महबूब आलम ने जिले में चल रहे भूमि सर्वेक्षण कार्य को लेकर शुक्रवार को बारसोई एसडीओ दीक्षित श्वेतम, भूमि सुधार उपसमाहर्ता प्रियंका कुमारी, अंचल अधिकारी श्यामसुंदर साह और सर्वेक्षण कर्मियों के साथ बैठक की। इसके अलावा, उन्होंने किसानों और भूमि धारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में चलाया जा रहा भूमि सर्वेक्षण कार्य किसानों के हित के लिए है और इसमें डरने की कोई बात नहीं है। विधायक महबूब आलम ने किसानों से कहा कि वे सर्वेक्षण के नाम पर किसी को भी रुपए नहीं दें और अगर कोई अवैध वसूली करता है तो उसकी शिकायत अनुमंडल पदाधिकारी तथा भूमि सुधार उप समाहर्ता से करें।

महज दो वर्ष में इंसेफेलाइटिस पर पाया काबू : आदित्यनाथ

पहली बार पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण करा रही केंद्र और राज्य सरकार

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से ग्रस्त था। वहां 15 जुलाई से 15 नवंबर के बीच 1200 से 1500 मौतें होती थीं। अकेले गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 500 से 700 मौतें होती थीं। यह क्रम पिछले 40 वर्ष से चल रहा था। इस दौरान 50 हजार बच्चों की मौतें हुईं, लेकिन पिछली सरकारों का इससे कोई लेना-देना नहीं था। जब इसे रोकने के लिए सुविधा देनी होती थी तो वह भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते थे। यह सिस्टम की नाकामी थी। उन्होंने सांसद रहते हुए सड़क से लेकर सदन तक मुद्दा उठाया, जिसके बाद काम शुरू हुआ। मुख्यमंत्री शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह के दौरान वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन और नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान योगी ने कई प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर जेआर को मेडल-सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंफेसेलाइटिस पर लगाम लगाने के लिए गोरखपुर को एम्स दिया। वहीं 2017 में मुख्यमंत्री बनने पर इसे खत्म करने की जिम्मेदारी मेरी हो गई। इस पर काम शुरू किया गया और वर्ष 2019 में इस पर नियंत्रण पा लिया गया। उसी का परिणाम है कि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से मुक्त हुआ है। आज यहां पर मौत जीरो हो गयी है। यह दृढ़ संकल्प और आप सभी के सहयोग से हो पाया है, जबकि इसके खात्मे के बारे में पहले कोई सोच नहीं सकता था। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस को लेकर इस बार भी दो बार सर्वे कराया गया, जिसमें सामने आया कि एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई है। आज पूर्वी उत्तर प्रदेश खुशहाल है। यह सब बेहतर समन्वय और संवाद से हो पाया। आज इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है, लेकिन अफसोस है कि अब तक इस पर कोई स्टडी पेपर नहीं लिखा गया, जबकि यह सफलता का मॉडल है। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी आई तो टीम 11 का गठन कर काबू पाया गया। यह हमें इंसेफेलाइटिस के सफलतापूर्वक समाधान के बाद प्राप्त हुए अनुभव से संभव हुआ। कोविड-19 पर काबू पाने में इसी अनुभव का लाभ प्राप्त हुआ। योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की दिशा में तेजी के साथ बढ़ रहा है। पहली बार केंद्र और राज्य सरकार पीपीपी मोड पर भी मेडिकल कॉलेज बनाने की कार्रवाई को बढ़ा रही हैं। आने वाले अगले 5 से 7 वर्ष में डॉक्टरों की कमी नहीं रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप हम एक जिला एक मेडिकल की कॉलेज की तरफ बढ़ चुके हैं। प्रदेश के सभी पीएचसी, सीएचसी को डॉक्टर मिलेंगे। इसके साथ ही आरएमएल, एसजीपीजीआई, केजीएमयू समेत अन्य संस्थानों को अच्छे विशेषज्ञ चिकित्सक मिलेंगे। इसके लिए हमें टीमवर्क के साथ काम करना होगा। आरएमएल उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत का गेटवे है। यह उपलब्धि ऐसे ही नहीं मिली है। इसके पीछे सकारात्मक सोच और टीमवर्क है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अकेला ऐसा राज्य है, जहां 5 करोड़ 11 लाख से अधिक आयुष्मान भारत के गोल्डन कार्ड जारी किए जा चुके हैं। यूनियन कैबिनेट ने 70 वर्ष से ऊपर के हर एक व्यक्ति को आयुष्मान कार्ड का लाभ देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि 5 वर्ष से 7 वर्ष पहले इसके बारे में कोई सोच नहीं सकता था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से बिना भेदभाव के इलाज के लिए पैसे दिए जा रहे हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा, संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह, प्रो. अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

भारत की विकास क्षमता 7.5 फीसदी से अधिक है: शक्तिकांत दास

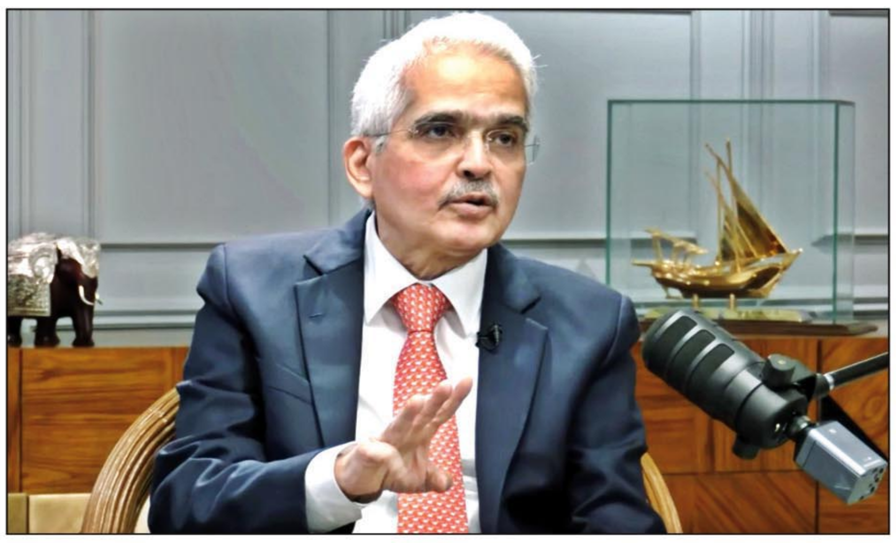

सिंगापुर/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत में कम से कम 7.5 फीसदी की वृद्धि की संभावना है। वह सिंगापुर में ब्रेटन वुड्स कमेटी द्वारा आयोजित 'फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024' को संबोधित कर रहे थे। शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत का वृद्धि परिदृश्य देश के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है। उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। आरबीआई गवर्नर का यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान से थोड़ा ऊपर है। हालांकि, दास ने मुद्रास्फीति में गिरावट के बावजूद फिलहाल ब्याज दरों में कटौती से इनकार किया। उन्होंने ब्रेटन वुड्स कमेटी के वार्षिक फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि को वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के माहौल का समर्थन है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत की संभावित वृद्धि...लगभग साढ़े सात फीसदी से अधिक है। दास ने दुनिया को बढ़ते वैश्विक कर्ज के बारे में आगाह किया है, जो 2024 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 333 फीसदी के बराबर 315 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया है। आरबीआई गवर्नर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ रही चुनौतियों के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। शक्तिकांत दास ने साझा वैश्विक मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करने की वकालत की। साथ ही उन्होंने सतत आर्थिक विकास और वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को भी रेखांकित किया। दास ने राष्ट्रों से सभी के लिए एकीकृत भविष्य की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

न्यूज ब्रीफ

अडानी के बाद अब रूस ने बांग्लादेश से मांगे 63 करोड़ डॉलर, वर्तमान ब्याज के रूप में 630 मिलियन डॉलर का भुगतान की मांग

ढाका । भारतीय कारोबारी समूह अडानी ग्रुप के बाद अब रूस ने भी बांग्लादेश से रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए कर्ज पर बकाया और वर्तमान ब्याज के रूप में 630 मिलियन डॉलर का भुगतान करने की मांग की है। रूसी अधिकारियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को भेजे पत्र में कहा है कि इस राशि को 15 सितंबर से पहले चुकाया जाए। यह पत्र बांग्लादेश द्वारा जून में रूसी बैंकों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण बकाया ब्याज, प्रतिबद्धता शुल्क और विलंबित जुर्माने के निपटान के लिए वैकल्पिक लेनदेन विधियों के लिए किए गए अनुरोध के बाद आया है। 12.65 बिलियन डॉलर के ऋण पर अधिकतम ब्याज दर 4 फीसदी है, जिसमें बकाया भुगतान के लिए 2.4 फीसदी की अतिरिक्त दंडात्मक ब्याज दर है। 21 अगस्त को इकॉनमिक रिलेशन डिवीजन को लिखे गए पत्र में रूसी सरकार के एक प्रमुख वित्तीय संस्थान की प्रतिनिधि एजेंसी वीईबीडॉटआरएफ ने अनुरोध किया है कि बकाया भुगतान या तो अमेरिकी डॉलर या चीनी युआन में किया जाए और बैंक ऑफ चाइना की शंघाई शाखा में जमा किया जाए। हालांकि, चूंकि 15 सितंबर की भुगतान की अंतिम तिथि रविवार को है और 16 और 17 सितंबर चीन में गैर-व्यावसायिक दिन हैं, इसलिए भुगतान की सबसे प्रारंभिक संभावित तिथि 18 सितंबर होगी। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि इस समय सीमा को चूकने से अतिरिक्त दंड और अन्य जटिलताएं हो सकती हैं, जिसमें कर्ज चुकाने की अवधि के दो साल के विस्तार पर बातचीत में संभावित देरी शामिल है। वर्तमान में यह अविध इस साल दिसंबर में समाप्त होने वाली है, जिसे बांग्लादेश वर्तमान में आगे बढ़ा रहा है। इससे पहले, बांग्लादेश ने प्रस्ताव दिया था कि बकाया राशि एकत्र करने के बजाय, रूस नई परियोजनाओं, शेयर बाजार में धन का निवेश कर सकता है या बांग्लादेश से सामान खरीद सकता है।

कच्चा तेल 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का रुख है। ब्रेंट क्रूड का भाव 72 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 67 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल का भाव 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.35 डॉलर यानी 0.49 फीसदी की उछाल के साथ 72.32 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.37 डॉलर यानी 0.54 फीसदी की बढ़त के साथ 69.34 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

सरकार को एनटीपीसी से लाभांश के रूप में मिले करीब 1610 करोड़ रुपये

एनटीपीसी NTPC

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने शुक्रवार को लाभांश के रूप में लगभग 1610 करोड़ रुपये दिए हैं। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोकसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड से लाभांश के रूप में करीब 1610 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है किएनटीपीसी लिमिटेड को पहले नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन के नाम से जाना जाता था। यह भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के स्वामित्व में एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) कंपनी है , जो बिजली उत्पादन और अन्य गतिविधियों में लगा हुआ है। इस पीएसयू का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

चुनिंदा शेयरों में बिकवाली से गिरा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट

बाजार में गिरावट के बावजूद निवेशकों को 1.33 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली।
गुरुवार की जोरदार मजबूती के बाद शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार उतार चढ़ाव भरे कारोबार के बाद चुनिंदा शेयरों में हुई बिकवाली की वजह से लाल निशान में बंद हुआ। हालांकि ब्रॉडर मार्केट में शुक्रवार को खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण निवेशकों की संपत्ति में एक दिन में ही 1.33 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

शुक्रवार को दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, आईटी, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस, एनर्जी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, यूटिलिटी और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स और निफ्टी में दबाव होने के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में शुक्रवार को लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया।

शुक्रवार को शेयर बाजार में आई गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 468.69 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.36 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.33 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

शुक्रवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,477 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,481 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 109 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में शुक्रवार को 2,455 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,551 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 904 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को ऑल टाइम हाई ओपनिंग का रिकॉर्ड बनाते हुए 128.84 अंक की मजबूती के साथ 83,091.55 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक 309.49 अंक टूट कर 82,653.22 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार भी हुआ। दिन भर हुई खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 71.77 अंक की कमजोरी के साथ 82,890.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी शुक्रवार को 41.55 अंक की तेजी के साथ 25,430.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में मुनाफा वसूली के कारण ये सूचकांक 96.45 अंक टूट कर 25,292.45 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि इस गिरावट के बाद लिवालों ने खरीदारी का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। दिनभर हुई लिवाली और बिकवाली के बाद निफ्टी 32.40 अंक की गिरावट के साथ 25,356.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से विप्रो 3.88 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.29 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 2.13 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.43 प्रतिशत और एक्सिस बैंक 1.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ शुक्रवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.57 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 1.39 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.28 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.09 प्रतिशत और आईटीसी 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना शुक्रवार को 73,290 रुपये से लेकर 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67,190 रुपये से लेकर 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में आई गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 86,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

नजारा मूनशाइन टेक्नोलॉजी में करेगी 982 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली।
ईस्पोर्ट्स कंपनी नजारा टेक्नोलॉजीज रियल मनी गेमिंग मंच पोकरबाजी की मूल कंपनी मूनशाइन टेक्नोलॉजी में 982 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। नजारा ने शुक्रवार को बयान में कहा कि वह सौदे के तहत मूनशाइन में 831.51 करोड़ रुपये में 47.7 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। इसमें 592.26 करोड़ रुपये का नकद लेनदेन और 239.25 करोड़ रुपये कीमत के शेयर अदला-बदली व्यवस्था शामिल हैं। इस व्यवस्था के साथ, बाजी गेम्स सहित चुनिंदा निवेशकों और प्रबंधन कर्मियों को नजारा टेक्नोलॉजीज में 3.17 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। इसके अलावा नाज़ारा 100 प्रतिशत अनिवार्य परिवर्तनीय की सदस्यता के लिए 150 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिसे समझौते के तहत भविष्य में इक्विटी में बदला जा सकता है।नजारा ने एक बयान में कहा कि वह मूनशाइन टेक्नोलॉजी में 982 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जो भारत के अग्रणी ऑनलाइन पोकर गेमिंग मंच पोकरबाजी की मालिक है। मूनशाइन के पास फैंटेसी गेमिंग मंच स्पोर्ट्सबाजी का भी स्वामित्व है, जो कंपनी की आय में लगभग 12 प्रतिशत का योगदान देता है, जबकि 85 प्रतिशत से अधिक पोकरबाजी से आता है।

सीबीआईसी ने जबरन वसूली के आरोपी बेंगलुरु में गिरफ्तार सीजीएसटी अधिकारियों को किया निलंबित

नई दिल्ली।
केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बेंगलुरु में कुछ केंद्रीय माल एवं सेवा कर सीजीएसटी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

इन अधिकारियों को शहर की पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था। सीबीआईसी ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया गया है कि बेंगलुरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों ने कथित जबरन वसूली का सहारा लिया है। इसमें शामिल अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सीबीआईसी ने कहा कि वह उन पुलिस अधिकारियों के संपर्क में है, जिन्होंने इन गिरफ्तार अधिकारियों को रिमांड पर लिया था।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि इस मामले में जांच के परिणाम के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीबीआईसी पारदर्शी और व्यापार अनुकूल कर प्रशासन स्थापित करने के अपने प्रयास में आधिकारिक कदाचार के मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति का पालन करता है। इस बीच ईडी ने इन चारों गिरफ्तार जीएसटी अधिकारियों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया है। इन पर ईडी के अधिकारी बनकर यहां व्यवसायी से 1.5 करोड़ रुपये की जबरन वसूली करने का आरोप है।

उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु ईस्ट क्षेत्र के बयप्पनहल्ली पुलिस थाने में एक व्यापारी द्वारा दर्ज अपहरण और जबरन वसूली की शिकायत के आधार पर बेंगलुरु नगर अपराध शाखा ने 11 सितंबर को सीजीएसटी के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार लोगों में जीएसटी के निरीक्षक और वरिष्ठ खुफिया अधिकारी रैंक के कर्मचारियों के अलावा एक अधीक्षक रैंक का अधिकारी भी शामिल है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से शुक्रवार को पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

ब्याज दर में कटौती होने की संभावना की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.75 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,595.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 174.15 अंक यानी 1 प्रतिशत उछल कर 17,569.68 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,111.78 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,240.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,435.07 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 188.12 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,518.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 3 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 6 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में अपनी जगह बनाए हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 247.55 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 36,585.72 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,567.48 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत फिसल कर 2,714.77 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,384.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,561.78 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है।

फिलहाल ये सूचकांक 167.99 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,408.38 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,696.20 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,427.67 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 7,802.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आईएसएल : मोहन बागान और मुम्बई सिटी के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा नया सीजन

कोलकाता।
मोहन बागान सुपर जायंट और मुम्बई सिटी एफसी के बीच शुक्रवार, रात से कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में खेले जाने वाले दमदार मुकाबले से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की शुरुआत होगी।

मोहन बागान ने 2020-21 और 2021-22 सीजन के शुरुआती मुकाबले केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ जीते थे लेकिन मुम्बई के खिलाफ उन्हें अपना रिकॉर्ड सुधारने की जरूरत है, क्योंकि उन्होंने अब तक अपने 10 मुकाबलों में से केवल एकबार मुम्बई सिटी एफसी को हराया है। हालांकि वो एकमात्र जीत बेहद महत्वपूर्ण थी, जो पिछले सीजन के दौरान अप्रैल में खिताब के निर्णायक मैचमें मिली थी।

अपने नए हेड कोच जोस मोलिना के साथ मोहन बागान चैंपियनशिप को बचाने के लिए उत्सुक हैं। मोलिना ने 2016 में एटीके को कोचिंग दी थी और यह भारतीय फुटबॉल के मक्का कहलाने वाले कोलकाता में उनकी वापसी है।

मोलिना ने मीडिया डे के दौरान आईएसएल से साक्षात्कार में कहा, मैं 2016 के बाद आईएसएल में वापस आकर बहुत उत्साहित हूं। मोहन बागानभारत के सर्वश्रेष्ठ क्लबों में से एक है और हमेशा आईएसएल चैंपियनशिप के लिए संघर्ष करता रहता है। इस क्लब का साथ एक बड़ी जिम्मेदारी है लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करके टूर्नामेंट जीतने की उम्मीद है। मेरे यहां आने के बाद से खिलाड़ियों और लीग के स्तर में सुधार हुआ है। मैं यहां फिर सेआकर और भारतीय फुटबॉल को आगे बढ़ाने में योगदान करके बहुत खुश हूं।

चेक कोच पीटर क्रेटकी की देखरेख मुम्बई सिटी एफसी ने 19 आईएसएल मैचों में 68.42त्न की दमदार आंकड़े के साथ जीत दर्ज की है। पिछले सीजन के बीच में हेड कोच पद संभालने और फिर आइलैंडर्स को आईएसएल कप तक पहुंचाने के बाद क्रेटकी इस बार एक कदम आगे जाकर शील्ड जीतने के लिए उत्सुक हैं। क्रैटकी ने मीडिया डे के दौरान आईएसएल को कहा, आईएसएल शील्ड जीतना हमेशा एक सपना होता है। हम ट्रॉफी जीतने के लिए फुटबॉल में हैं। मुकाबले अभी शुरू नहीं हुए हैं, लेकिन इस सीजन के लिए भी हमारे उच्च मानक हैं। बतौर कोच, मैं चाहता हूं कि हम हर खेल जीतें। हम इसे हासिलकरने की पूरी कोशिश करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में ही खेली जाएगी : ज्योफ एलार्डिस

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी तय कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान में ही खेली जाएगी। एलार्डिस के अनुसार इस टूर्नामेंट को कहीं और स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल की शुरुआत में पाक में खेली जाएगी। एलार्डिस का ये बयान जहां पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए राहत की बात है। वहीं भारतीय टीम के इस टूर्नामेंट में भाग लेने की संभावनाएं टूट गयी हैं। भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) टीम को सुरक्षा कारणों से पाक नहीं भेजना चाहता है। एलार्डिस ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन स्थल में बदलाव को लेकर कोई योजना नहीं है। इसके साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान से स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है। वहीं इस साल की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा था कि भारतीय टीम अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान तभी भेजी जाएगी, जब केंद्र सरकार इसके लिए अनुमति देगी। अब शुक्ला ने कहा कि चैंपियन ट्रॉफी के मामले में हम वही करेंगे जो भारत सरकार हमें करने के लिए कहेगी। हम अपनी टीम तभी भेजते हैं जब भारत सरकार हमें अनुमति देती है। इसलिए हम उसके अनुसार चलेंगे। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को मिनी वर्ल्ड कप कहा जाता है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान सहित 8 टीमें शामिल होंगी। पिछले साल भारत ने पाक की मेजबानी में हुए एशिया कप के अपने मुकाबले श्रीलंका में खेले थे। भारतीय बोर्ड वैसा ही कुछ यहां भी चाहेगा।

लेवर कप 2024 से हटे राफेल नडाल, टीम यूरोप के लिए प्रतिस्थापन की घोषणा अभी बाकी

नई दिल्ली। लेवर कप के 2024 संस्करण में राफेल नडाल शामिल नहीं होंगे, 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन ने शुक्रवार को टूर्नामेंट से हटने की घोषणा की। नडाल ने एक बयान में कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत निराशा हो रही है कि मैं अगले सप्ताह बर्लिन में लेवर कप में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाऊंगा। यह एक टीम प्रतियोगिता है और वास्तव में टीम यूरोप का समर्थन करने के लिए, मुझे वह करने की ज़रूरत है जो उनके लिए सबसे अच्छा है और इस समय अन्य खिलाड़ी भी हैं जो टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास लेवर कप खेलने की बहुत सारी शानदार, भावनात्मक यादें हैं और मैं वास्तव में अपने साथियों के साथ और कप्तान के रूप में ब्योर्न के अंतिम वर्ष में रहने के लिए उत्सुक था। मैं टीम यूरोप को शुभकामनाएं देता हूं और दूर से ही उनका उत्साहवर्धन करूंगा।

दुनिया के सबसे दमदार बॉडीबिल्डर की मौत, महज 36 साल की उम्र में हार्ट अटैक से गई जान

लंदन। दुनिया के सबसे ताकतवर बॉडीबिल्डर के नाम से मशहूर इलिया 'गोलेम' येफिमचिक का 36 वर्ष की उम्र

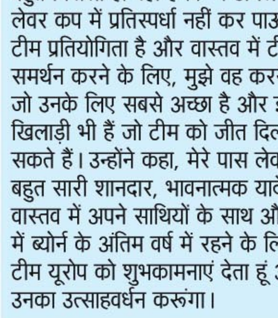

में दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें छह सितंबर को अस्पताल ले जाया गया था, जहां वह कोमा में चले गए थे। कुछ दिनों बाद 11 सितंबर को उनकी मौत हो गई। डेलीमेल ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि हार्ट अटैक आने के बाद एंबुलेंस के आने का इंतजार करते हुए उनकी पत्नी एना ने छाती को कम्प्रेस भी किया था। बाद में उन्हें हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। एना ने स्थानीय मीडिया को बताया, मैंने इस पूरे समय प्रार्थना करती रही। मैंने हर दिन उनके साथ बिताया। उनका दिल दो दिनों तक धड़का, लेकिन डॉक्टर ने मुझे एक भयानक खबर दी कि उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया था। मैं संवेदना व्यक्त करने के लिए सभी का शुक्रिया अदा करती हूं। यह महसूस करना दिल को छू लेने वाली है कि मैं इस दुनिया में अकेली नहीं रह गई हूं। इतने सारे लोगों से मुझे मदद और समर्थन मिल रहा है। इलिया ने कभी भी किसी प्रोफेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन इस बेलारूसी बॉडी बिल्डर की सोशल मीडिया फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा था। उन्होंने नियमित रूप से अपने फैंस के साथ वीडियो साझा किए। उन्हें 'द म्यूटेंट' उपनाम भी मिला। जानकारी के मुताबिक, इलिया दिन में सात बार खाना खाते थे और अपने शरीर को बनाए रखने के लिए 16,500 कैलोरी से कंज्यूम करते थे।

एथियाई चैंपियंस ट्रॉफी : भारत-पाकिस्तान के बीच होगी भिड़ंत आज

चार मैचों की जीत का दबदबा कायम विजयश्री के इरादे से उतरेगी इंडिया

नई दिल्ली।
सेमीफाइनल में जगह बना चुकी भारतीय हॉकी टीम का शनिवार को पाकिस्तान से सामना होगा। एथियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बहु प्रतिक्षित आखिरी राउंड रॉबिन मैच में भारत अपना दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगा। लगातार चार मैचों में जीत दर्ज कर चुकी भारतीय सेना अंक तालिका में शीर्ष पर है जबकि पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है।

लगातार चार मैचों में भारत ने दर्ज की जीत

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारत ने चीन को 3-0 से, जापान को 5-1, मलयेशिया को 8-1 और कोरिया को 3-1 से हराया। अब टीम की नजर पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले पर है। वहीं, पाकिस्तानी टीम ने मलयेशिया और कोरिया से 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके अलावा जापान को 2-1 और चीन को 5-1 से हराया है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

भारत-पाकिस्तान हेड टु हेड

मौजूदा फॉर्म की बात करें तो भारत का पलड़ा भारी है। हांगझोउ एशियाई खेलों में पिछले साल भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। उससे पहले चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर 4-0 से जीत दर्ज की थी। जकार्ता में 2022 एशिया कप में युवा भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से ड्रॉ पर रोका जबकि 2021 एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी ढाका में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

दोनों टीमों के कप्तानों के बयान

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए काफी उत्साहित हैं। मुकाबले से पहले कप्तान ने कहा- मैं अपने जूनियर दिनों से पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलता आया हूं। मेरा उनसे अच्छा संबंध है और वे भाई जैसे हैं। मैदान पर हालांकि किसी भी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जज्बात पर काबू रखना होता है। विश्व हॉकी में भारत और पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता का कोई मुकाबला नहीं है। मुझे यकीन है कि दुनिया भर में हॉकी प्रेमियों को इस मैच का इंतजार होगा। उन्होंने आगे कहा- इस मैच में पिछले परिणाम मायने नहीं रखेंगे। पाकिस्तान मजबूत टीम है और किसी भी समय मैच में वापसी का दम रखती है।

वहीं, पाकिस्तान के कप्तान अम्माद बट ने कहा- भारत ने इस टूर्नामेंट में अब तक चैंपियन की तरह खेला है। हमने भी मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार किया है और अनुशासित हॉकी खेली है। हम इस प्रदर्शन को बरकरार रखेंगे।

बाबा फरीद गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट 19 से

जैतो। 32वां ऑल इंडिया बाबा फरीद गोल्ड कप घरेलू हॉकी टूर्नामेंट 19 सितंबर से शुरु होगा। ये टूर्नामेंट हॉकी क्लब फरीदकोट में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा। बाबा फरीद हॉकी क्लब फरीदकोट के अध्यक्ष तेजिंदर सिंह ने कहा कि टूर्नामेंट में देश की 12 टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट से खेल की युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी। जिन्हें अपने कौशल को दिखाने का एक मंच मिलेगा।

हांगकांग ओपन बैडमिंटन के अंतिम आठ में पहुंचे ओलंपिक चैंपियन एक्सेलसन

हांगकांग।
डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन ने गुरुवार रात को हांगकांग ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने चीनी ताइपे के सु ली यांग को शिकस्त दी।

पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता दूसरे वरीयता प्राप्त एक्सेलसन ने 24-22, 21-6 से जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सम्मानछठी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टीएन चेन से होगा।

मैच जीतने के बाद एक्सेलसन ने कहा, ओलंपिक खेलों के बाद मैंने पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं लिया। इसलिए लगातार दो मैच जीतना आसान नहीं है। मेरा लक्ष्य अपनी फॉर्म वापस पाना है।

गत चैंपियन इंडोनेशिया के जोनाटन क्रिस्टी ने डेनमार्क के रासमस गेमके को 21-12, 21-19 से हराया और उनका अगला मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका से होगा, जिन्होंने अपने जापानी हमवतन ताकुमा ओबायाशी को 19-21, 26-24, 21-11 से हराया।

चीन के लेई लांक्सी ने पहला सेट गंवा दिया लेकिन दक्षिण कोरिया के जियोन ह्योक-जिन पर 17-21, 21-16, 21-14 से जीत हासिल की। उनका मुकाबला हांगकांग, चीन के ली चेउक यिउ से होगा।

अन्य पुरुष क्वार्टरफाइनल इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग और हांगकांग, चीन के जेसन गुनावान के बीच होगा।

महिलाओं में, तीसरी वरीयता प्राप्त चीन के हान यू ने चीनी ताइपे के लियांग टिंग यू को 21-14, 21-13 से हराया। वह अगली बार जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त अया ओहोरी से भिड़ेंगी, जिन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हांगकांग, चीन की सलोनी समीरभाई मेहता को 9-21, 21-16, 21-12 से हराया।

इंटर कॉलेज में दो दिनी जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता सम्पन्न

मंडलीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए बालक वर्ग में सात और बालिका वर्ग में छह खिलाड़ियों का चयन

मुरादाबाद।
आरएन इंटर कॉलेज में शुक्रवार को माध्यमिक विद्यालयों की दो दिवसीय जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इसमें मंडलीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए बालक वर्ग में सात और बालिका वर्ग में छह खिलाड़ियों का चयन किया गया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन आरएन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य छोटेलाल और मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने किया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में आरएन इंटर कॉलेज मुरादाबाद, पीएलजेएल रस्तोगी इंटर कॉलेज, चित्रगुप्त इंटर कॉलेज तथा जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद के छात्रों ने प्रतिभाग किया। वहीं बालिका वर्ग में फूलवती कन्या इंटर कॉलेज तथा राजकीय इंटर कॉलेज मुरादाबाद की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सचिन चौधरी, नरपत सिंह यादव, वीरेंद्र सिंह, स्वाति राठी और निशा परवीन चयनकर्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर व्यवस्था में शिक्षक राजपाल सिंह, यशपाल सिंह, संगीता चौधरी, प्रीति अग्रवाल मौजूद रहे।

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड टेस्ट रद्द होने पर दोनों टीमों के कोचों ने जताई निराशा

ग्रेटर नोएडा।
यहां लगातार हो रहे बारिश के कारण अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट शुक्रवार को एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। जिसके बाद दोनों टीमों के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट और गैरी स्टीड ने निराशा व्यक्त की है।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने कहा, व्यक्तिगत रूप से, मैं निराश था। हम न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने के लिए बहुत उत्साहित थे और खुद को उस चुनौती के सामने रखा। खिलाड़ियों ने वास्तव में कड़ी मेहनत की है, लेकिन साल के इस समय में टेस्ट मैच खेलने की कोशिश करना हमेशा मुश्किल होता है।

2018 में लाल गेंद से पदार्पण करने के बाद से यह अफगानिस्तान का 10वां टेस्ट माना जा रहा था। हालांकि, शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम, जो अपने पहले टेस्ट की मेजबानी कर रहा था, सुविधाओं और बुनियादी जल निकासी की कमी के कारण सवालों के घेरे में आ गया। धूप होने के बावजूद पहले कुछ दिनों तक कोई खेल नहीं होने के कारण आलोचना झेलने के बाद, स्टेडियम के अधिकारियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से कवर मंगवाए, जबकि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने जमीन को वापस आकार में लाने के लिए सुपर सॉपर्स भेजा, लेकिन भारी बारिश के कारण आयोजन स्थल के कुछ हिस्सों में जलभराव हो गया, जिससे मैदानकर्मियों के लिए चीजें तैयार करना संभव नहीं हो सका।

ट्रॉट ने कहा, सुविधाओं के संदर्भ में, हम स्पष्ट रूप से निराश हैं कि हम खेलने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन पानी की मात्रा में जो कमी आई है वह साल के इस समय के लिए अभूतपूर्व है।

वहीं, स्टीड ने कहा, यह हमारे लिए निराशाजनक है। अफगानिस्तान के खिलाफ यह हमारा पहला टेस्ट मैच था और हम इसे लेकर काफी उत्साहित भी थे। पिछले कुछ विश्व कप में वे हमारे महान प्रतिस्पर्धी रहे हैं और हमारे पास क्रिकेट के कुछ बेहतरीन खेल हैं।

न्यूजीलैंड के कोच ने संकेत दिया कि इस खेल ने उनकी टीम को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया होगा, जो अगले सप्ताह खेला जाएगा।। स्टीड ने कहा, हमारे लिए सबसे निराशाजनक बात यह है कि जब हम अगले सप्ताह अपने टेस्ट मैच में उतरेंगे तो हम मैच के लिए मजबूत और मैच के लिए तैयार होने की क्षमता खो चुके हैं। इसलिए, लोग वास्तव में निराश हैं।

अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कहा कि सिर्फ एक होम वेन्यू होने से उन्हें अधिक सुसंगत होने में मदद मिलेगी। पिछले कुछ वर्षों में, अफगानिस्तान के पास ग्रेटर नोएडा, देहरादून, लखनऊ और संयुक्त अरब अमीरात में घरेलू मैदान हैं।

ट्रॉट ने भी कप्तान का समर्थन करते हुए कहा, यदि आपके पास एक निश्चित स्थान है, तो आप उत्पन्न होने वाले मुद्दों को सुलझा सकते हैं। वह हमेशा अच्छा होता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह शायद अतीत में बहुत अधिक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलने का नतीजा है और अभी भी एक ऐसा स्थान ढूंढने की कोशिश कर रहा है जिसका हम लगातार उपयोग कर सकें, इसलिए एक स्थान रखना अच्छा होगा।

द. एशिया जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप : अविनाश की सफलता दोहराना चाहते हैं खान

नई दिल्ली।
लंबी दूरी के एथलीट आमतौर पर पहले कुछ चक्करों में इसे धीमी गति से लेते हैं, ऊर्जा बचाते हैं, और जैसे-जैसे फिनिश लाइन करीब आती है, अपनी गति तेज कर देते हैं। लेकिन भारत की किशोर सनसनी, शारुक खान, उनमें से नहीं है। उन्होंने शुरू से ही दबदबा बनाया और गुरुवार को चेन्नई में दक्षिण एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 3000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

भारत के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि पोडियम पर शीर्ष स्थान पर दो भारतीय थे। 18 वर्षीय शारुक ने 8:26.06 का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय हासिल किया और अपने हमवतन मोहित चौधरी को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 8:27.61 का समय लेकर रजत पदक जीता। पदक जीतने के बाद शारूक ने कहा, वास्तव में खुशी है कि मैं यहां अपना सर्वश्रेष्ठ देने में सक्षम हूं। मैं अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए इससे बेहतर दिन की उम्मीद नहीं कर सकता था और मुझे खुशी है कि मैंने स्वर्ण पदक जीता। हमारे (शारुक और मोहित) बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा थी। हमें सुधार जारी रखने के लिए इस तरह की प्रतिस्पर्धा रखनी चाहिए।

शारुक ने तब सुर्खियां बटोरीं जब उन्होंने इस साल की शुरुआत में पेरू में विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। वह हीट में 8:45.12 के समय के साथ छठे स्थान पर रहे और फाइनल में उन्होंने इसे बेहतर करते हुए 8:42.06 का समय निकाला। हालाँकि, वह 10वें स्थान पर रहे।

केन्या के एडमंड सेरेम ने 8:15.28 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके हमवतन मैथ्यू कोस्गेई ने रजत पदक जीता।

शारुक ने कहा, मैं बेहतर होते रहना चाहता हूं। पेरू में, मुझे बुरा लगता है कि मैं पदक नहीं जीत सका, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने वहां भारत का रिकॉर्ड हासिल किया। मैं हर बार जब भी ट्रैक पर उतरूं तो इसी तरह अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं।

पिछले साल, उन्होंने येचिओन में एशियाई अंडर 20 चैंपियनशिप में अपने तत्कालीन सीज़न का सर्वश्रेष्ठ 8:51.75 सेकेंड का समय निकाला, जहां उन्होंने रजत पदक जीता। शारुक को लगता है कि उनकी निरंतरता कड़ी मेहनत और उनके निजी कोच, विमल राय द्वारा बनाई गई उचित रणनीतियों का परिणाम है।

उन्होंने कहा, मैं ट्रेनिंग के दौरान अपने कोच विमल राय द्वारा बताई गई हर बात का पालन करता हूं। वह मुझसे बहुत मेहनत करवाते है। हम लक्ष्य निर्धारित करते हैं, लेकिन मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मैं जिस भी प्रतियोगिता में भाग लेता हूं उसमें नए रिकॉर्ड स्थापित करता रहूं।

भारत के मध्य और लंबी दूरी के कोच, आई.ए. शिवानंद ने रैंकों के माध्यम से अपने निरंतर उत्थान के बारे में शारुक के विचारों को दोहराया। उन्होंने कहा, शारुक एक उभरता हुआ एथलीट है लेकिन उसने हाल के दिनों में जबरदस्त सुधार दिखाया है। उनके लगातार रिकॉर्ड तोड़ने का कारण पूरी तरह से स्व-प्रयोगात्मक है। वह अपने अभ्यास सत्रों में मेहनती है और अलग-अलग चीजें आजमाता रहता है। हो सकता है कि इससे उन्हें आगे बढ़ने में मदद मिली हो। शारुक ने खुलासा किया कि वह राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता और वर्तमान 3000 मीटर स्टीपलचेज़ राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अविनाश साबले से प्रेरणा लेते हैं। शिवानंद का मानना है कि शारुक अपने आदर्श की सफलता की राह को दोहराने के लिए सही रास्ते पर है।

उन्होंने कहा, वह मुझे अविनाश साबले की याद दिलाते हैं, जो अपने शुरुआती दिनों में जहां भी भाग लेते थे, मीट रिकॉर्ड तोड़ देते थे। शारुक की प्रोफ़ाइल भी ऐसी ही है, और मुझे लगता है कि सेबल जो कर रहा है, वह उसकी नकल कर सकता है। जब हम बेंगलुरु (साई प्रशिक्षण केंद्र) में प्रशिक्षण ले रहे थे, तब उनकी मुलाकात हुई और शारुक को उनसे कुछ मूल्यवान सलाह मिली।

शारुक का तात्कालिक लक्ष्य सीनियर स्तर पर पहुंचना और विश्व चैंपियनशिप में स्थान हासिल करने के लिए आगामी आयोजनों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है, और उन्हें उम्मीद है कि स्वर्ण उनके भविष्य के लिए एक सीढ़ी के रूप में काम करेगा।

ट्रेंच कोट से फैशनेबल लुक...

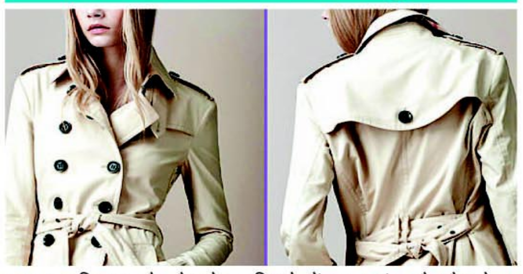

खूबसूरत दिखना और फैशनेबल दिखने में बहुत अंतर है। फैशनेबल दिखने के लिए जरूरी है कि सबसे पहले यह जान लिया जाए कि ट्रेंड में क्या है और आपको हर मौसम के ट्रेंड के बारे में पता होना चाहिए। आजकल ट्रेंच कोट काफी ट्रेंड में है, जो स्टाइलिश लुक के साथ आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगें।

अगर आप ऐसी जगह पर रहती हैं जहां ज्यादा सर्द हवाएं नहीं चलती हैं, तो आप इन कोट्स को पहन सकती। जो कि बाहर घूमने के लिए अच्छे हैं।

मिलिट्री ट्रेंच कोट देखने में काफी वर्सटाइल लगते हैं, और आप इन्हे कही पर भी पहन कर जा सकती हैं। ऑफिस सबसे अच्छी जगह है इसे पहने की। साथ ही आप इसे मीटिंग्स में भी पहन कर जा सकते हैं।

कैज्युअल ट्रेंच कोट पहने में बहुत ही आरामदायक होते हैं साथ ही यह कार्डिगन वॉटरफॉल की तरह दिखते हैं। इसे आप हाउस पार्टी, रोड ट्रिप्स, हैंगआउट्स आदि जगहों पर भी पहन सकती हैं।

यह विंटर्स पार्टीज के लिए बहुत अच्छे हैं। लेदर और फॉक्स फर ट्रेंच कोट बहुत क्लासी और फैशनबल लगते हैं। इनकी फॉक्स फर कॉलर एजी लुक देती हैं।

उष्मा रोधी वैदिक प्लास्टर...

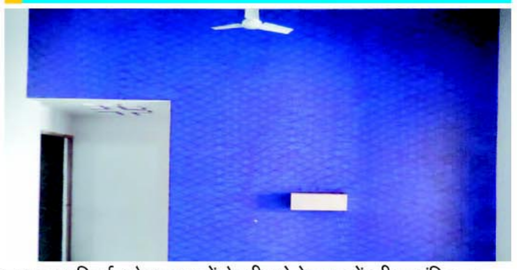

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के बीच ऐसे मकानों की प्रासंगिकता आज बढ़ रही है जो उष्मा रोधी हों ताकि सर्दी और गर्मी दोनों से ही बचाव हो सके। पहले मिट्टी के बने और गोबर से लिपे कच्चे घरों में उष्मा को रोकने की क्षमता थी और उनमें सर्दी और गर्मी दोनों से बचाव होता था लेकिन अब कच्चे मकान व्यवहारिक नहीं है और इसीलिए पक्के मकानों को ही इस तरह का बनाने के लिए ऐसा प्लास्टर तैयार किया गया है जो उष्मा रोधी हो। यह वैदिक प्लास्टर प्रख्यात वैज्ञानिक डॉक्टर शिव दर्शन मलिक के दिमाग की देन है जिनका कहना है कि वैदिक प्लास्टर ध्वनि एवं अग्नि रोधक है तथा मकान को गर्मी में ठंडा तथा सर्दी में गर्म रखता है। इसके अलावा इस प्लास्टर में गोबर का मिश्रण होने की वजह से यह प्राकृतिक वायु शोधक है और वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखता है। यह अपने आप में पूर्ण है क्योंकि इसमें रेत मिलाने की जरूरत नहीं पड़ती और न ही तराई करने की जरूरत पड़ती है।

वहां पुरुष करते हैं सोलह श्रृंगार...

सुहागन महिलाएं अपने पति के लिए सजती-संवरती है और सोलह श्रृंगार करती हैं लेकिन एक ऐसा मंदिर है, जहां पुरुषों को भगवान के दर्शन करने के लिए सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। केरल के कोट्टनकुलंगरा मंदिर में मर्द पूजा करने के लिए महिलाओं की तरह सजते-संवरते हैं। इस मंदिर में यह परंपरा सालों से चली आ रही है। यह केरल का इकलौता मंदिर है, जिसके गर्भगृह के ऊपर छत नहीं है। इस मंदिर में हर साल चाम्याविलक्क फेस्टिवल मनाया जाता है। इस फेस्टिवल में माता की पूजा करने के लिए पुरुष महिलाओं की तरह साड़ी पहनते है और अच्छी तरह सजते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति खुद प्रकट हुई थी। सोलह श्रृगार करने के बाद पुरुष अच्छी नौकरी, सेहत, पार्टनर और अपने परिवार की खुशहाली की प्रार्थना करते हैं।

दूध पीना हानिकारक...?

दूध पीने के कई फायदे आपने सुने होंगे। आपने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि दूध पीने के भी नुकसान हो सकते हैं। हाल में हुए एक शोध में इस बात का खुलासा किया गया कि भले ही दूध पीने के काफी फायदे हों लेकिन ज्यादा दूध पीना हड्डियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी स्टडी के अनुसार , दूध हमारी हड्डियों को कमजोर बनाता है। जो लोग ज्यादा दूध पीते हैं उनकी मौत भी जल्दी हो जाती है। इस रिसर्च में 20 साल तक 61,000 महिलाओं और 45,000 पुरुषों पर शोध किया गया। शोध में पता चला इन सभी की कोई न कोई हड्डी टूटी हुई थी। दूध की वजह से महिलाओं की हड्डियों में फ्रैक्चर होने के चांस बढ़ जाते हैं। स्टडी में यह भी पाया कि जो लोग दिन में तीन बार दूध पीते हैं उनके जल्दी मृत्यु के चांस दोगुने हो जाते हैं। जो लोग दिन में एक ग्लास दूध पीते हैं उनकी उम्र बढ़ जाती है।

बुजुर्गों में टैटू की दीवानगी...

शरीर पर टैटू बनवाने की दीवानगी युवाओं में ही नहीं बल्कि अधिक उम्र के लोगों में भी देखी जाती है। यह अमेरिका के एक बुजुर्ग दंपति ने साबित कर दिया है। उन्होंने सिर से पांव तक इतने टैटू बनवा डाले कि वे सर्वाधिक टैटू वाले दुनिया के वरिष्ठ नागरिक बन गए हैं। इस दंपति का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज किया गया है। वास्तव में शरीर पर टैटू बनाने या गूदवाने का शौक लगातार फैशन में है और अब तो युवक,युवतियों के साथ-साथ बुजुर्गों में भी इसके प्रति दीवानगी बढ़ती जा रही है।

हमारी दुनिया में अलग-अलग मिजाज के शौकीनों की कोई कमी नहीं है लेकिन कई बार कुछ लोग मशहूर होने के चक्कर में सारी हदें तोड़ देते हैं। शरीर पर टैटू बनाने या गूदवाने का शौक लगातार फैशन में है और अब तो युवक,युवतियों के साथ-साथ बुजुर्गों में भी इसके प्रति दीवानगी बढ़ती जा रही है।

इसकी दो वजहें हैं एक तो वर्ल्ड रिकार्ड बनाने की चाहत और दूसरी परंपरा। मध्यप्रदेश में बैगा समुदाय के पारंपरिक टैटू खासे लोकप्रिय हैं, वहीं नेपाल में टैटू के जरिए धर्म और संस्कृति को दर्शाया जाता है। इसी तरह, सुदूर-पूर्व में इंडोनेशिया के मेंतोआई द्वीप पर टैटू की अपनी एक पुरानी संस्कृति है। खासतौर पर वहां के मेंतोआई ओझा सजने-संवरने में काफी विश्वास रखते हैं। आज भी वहां की पुरानी पीढ़ी को इस बात की चिंता है कि टैटू की पारंपरिक सुंदरता को कैसे बनाए रखा जा सके लेकिन उनके बच्चे इससे भाग रहे हैं।

कभी-कभार जब बाहर के लोग यहां आते हैं और दर्द की परवाह न करते हुए टैटू बनवाते हैं, तो उन लोगों को देख कर कुछ आदिवासी बच्चे टैटू गुदवाने को तैयार हो जाते हैं। जाहिर है, नई पीढ़ी में अगर अपनी संस्कृति के प्रति एक स्वाभाविक आकर्षण कम हुआ तो उसका फायदा बाजार उठाने से नहीं चूकेगा। यों भी, आज जब इन दुर्गम इलाकों में भी बाजार के पांव पहुंच रहे हैं तो टैटू संस्कृति के सामने भी खुद के किसी व्यवसाय में ढलने से बचाने की चुनौती खड़ी है। दरअसल, मेंतोआई टैटू दुनिया की सबसे पुरानी टैटू संस्कृति है, जो आज वहां शायद अपनी आखिरी पीढ़ी में ही बची हो।

ये अमेरिकी बुजुर्ग दंपति...

फ्लोरिडा के चार्ल्स हेल्मके को हाल ही में गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स की ओर से सर्वाधिक टैटू वाले वरिष्ठ नागरिक (पुरुष) की मान्यता मिली थी। इसके बाद अब उनकी जीवन संगिनी शार्लोट गुटेनबर्ग ने भी सर्वाधिक टैटू वाली वरिष्ठ नागरिक (महिला) होने का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया है। पेशे से लेखिका और प्रशिक्षक शार्लोट के शरीर के 91.5 फीसद हिस्से पर रंग-बिरंगे टैटू बने हुए हैं। टैटू का रिकार्ड बनाने की उनकी यह कहानी एक दशक पहले शुरू हुई थी। उन्होंने 2006 में पहला टैटू बनवाया था। गिनीज ने कहा कि इसके बाद टैटू बनवाने की उनकी दीवानगी बढ़ती गई। जबकि उनके 75 वर्षीय जीवन साथी के शरीर के 93.75 फीसद भाग पर टैटू हैं। उन्होंने पहला टैटू 1959 में उस समय बनवाया था जब वे अमेरिकी सेना में थे।

यह 74 साल का जवान

दिल्ली में रहने वाले 74 वर्षीय बुजुर्ग हर प्रकाश ऋषि के नाम 20 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। वे खुद को गिनीज ऋषि के नाम से पुकारते है। इतना ही नहीं उनकी पत्नी भी गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर हैं और उनके बच्चे भी उनका भरपूर साथ देते हैं। एक तरफ जहां लोग एक टैटू बनवाने के दर्द को सहन नहीं कर पाते वहीं इस शख्स को देखने के बाद आपकी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। उनके मशहूर होने के पीछे दुनिया के अलग-अलग देशों के झंडे और नक्शे (संख्या 500) के टैटू उनके शरीर पर गुदे होना उनकी मशहूरियत की प्रमुख वजह है, लेकिन इन दिनों वे देश-दुनिया की मशहूर हस्तियां जैसे नरेंद्र मोदी, बराक ओबामा, महारानी एलिजाबेथ, महात्मा गांधी और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाहियों के टैटू उनके शरीर पर गुदवा रहे हैं। ऋषि के नाम 20 गिनीज रिकॉर्ड हैं। वे पहली बार गिनीज बुक में साल 1990 में शामिल किए गए थे। उन्होंने उनके दो अन्य दोस्तों के साथ 1001 घंटों तक स्कूटर की सवारी की थी। उनके नाम 39 सेकेंड में टमाटर केचअप की एक बोतल पीने का भी रिकॉर्ड था जिसे बाद में जर्मनी एक व्यक्ति ने 32 सेकेंड में पी कर तोड़ा था। वे लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी कई बार शुमार किए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, रिकॉर्ड बनाने की मुहिम में उनकी पत्नी भी शामिल हैं। उन्होंने दुनिया का सबसे छोटा वसीयतनामा लिखा है।

104वें जन्मदिन पर टैटू

अभी मार्च में खबर आई थी कि इंग्लैंड के डर्बीशायर प्रांत के चेस्टरफिल्ड इलाके में रहने वाले जैक रेनॉल्ड्स अपने 104वें जन्मदिन पर टैटू बनवाना चाहते हैं। अगर ऐसा होता तो वे इस उम्र में टैटू बनवाने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज व्यक्ति होते। इससे पहले रेनॉल्ड्स ने अपने 102वें जन्मदिन पर आईस बकेट की चुनौती को पूरा कर रिकॉर्ड बनाया था। रेनॉल्ड्स का कहना था कि वे अपने शरीर पर

ऐसी जगह टैटू बनवाना चाहते है जहां टैटू को बड़ा आकार दिया जा सके। जब उनसे पूछा गया था कि क्या वे टैटू बनवाने को लेकर बेचैन हो रहे है तो उन्होंने कहा बिल्कुल भी नहीं, मैं काफी मजबूत हूं और टैटू को लेकर काफी उत्सुक हूं। रेनॉल्ड्स की बेटी जेनी का कहना था कि कहा,मेरे पिता उम्र में बड़े जरूर है लेकिन दिल से वह जवान हैं। वह इंटरनेट और फेसबुक पर भी काफी सक्रिय रहते हैं।

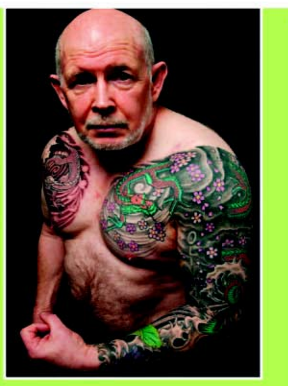

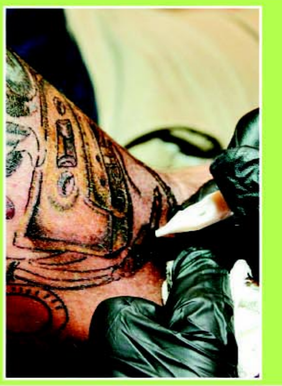

टैटू के स्वास्थ्य जोखिम

टैटू की जहरीली स्याही त्वचा के माध्यम से शरीर में पहुंचकर कैंसर का खतरे बढ़ा सकती है। एक अध्ययन में पाया कि स्याही के छोटे छोटे जहरीले कण शरीर के बड़े अंगों में प्रवेश कर सकते हैं। स्याही को तैयार करने वालों ने भी माना कि करीब पांच फीसदी टैटू स्टूडियो ऐसी स्याही का उपयोग करते हैं, जिनमें कैंसर जन्य घटक मौजूद होते हैं। हालांकि ऐसी स्याही के उपयोग को बंद करने के प्रयास जारी हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार शरीर का संयोजी ऊतक रंजक से स्थायी रूप से नष्ट हो जाता है। जिसके बाद स्याही के छोटे छोटे कण यानी नैनो पार्टिकल्स त्वचा से शरीर के अंदर पहुंच अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि जहरीले कण रक्त में प्रवेश कर प्लीहा और वृक्क को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

देश के रामनामी बुजुर्ग

उत्तरप्रदेश के जमगाहन गांव के रामनामी समाज के बारे में कुछ लोग जानते होंगे। इस समाज की परंपरा अनोखी और 100 सालों से भी ज्यादा पुरानी है। रामनामी समाज की खास बात यह है कि इस समाज के लोग पूरे शरीर पर राम नाम का टैटू बनवाते हैं, लेकिन न तो ये कभी मूर्ति पूजा करते हैं और न ही मंदिर जाते हैं। 100 साल पहले धर्म के मठाधीशों ने इस समाज के लोगों को मंदिर में जाने से रोक दिया था। तब अपने अपमान के विरोध में इन्होंने चेहरे सहित पूरे शरीर में राम नाम का गोदना गोदवा लिया। इस समाज के लोगों का कहना है कि रमरमिहा को ही रामनामी समाज कहा जाता है। छत्तीसगढ़ के सबसे गरीब और पिछड़े इलाके में रहने वाले राम टंडन पिछले 50 साल से इस परंपरा को निभा रहे हैं। 76 साल के रामनामी टंडन का कहना हैं कि जिस दिन मैंने ये राम नाम का गोदना बनवाया, उस दिन मेरा नया जन्म हुआ। 50 साल बाद उनके शरीर पर बने गोदना अब कुछ धुंधले से हो चुके हैं, लेकिन उनके विश्वास में कहीं कोई कमी नहीं आई है। इस समाज के लोगों के लिए शरीर के कुछ हिस्सों में टैटू बनवाना जरूरी है। खासकर 2 साल का होने से पहले छाती पर राम गोदवाना जरूरी होता है। टैटू बनवाने वाले लोगों को शराब पीने की मनाही होती है। साथ ही, रोजाना राम नाम बोलना भी जरूरी होता हैं। ज्यादातर रामनामी लोगों के घरों की दीवारों पर राम-राम लिखा होता है। इस समाज के लोगों में राम-राम लिखे कपड़े पहनने का भी चलन है, और ये लोग आपस में एक-दूसरे को राम-राम के नाम से ही पुकारते हैं। नखशिख राम-राम लिखवाने वाले सारसकेला के 70 वर्षीय रामभगत ने बताया कि रामनामियों की पहचान राम-राम का गोदना गुदवाने के तरीके के मुताबिक ही की जाती है। शरीर के किसी भी हिस्से में राम-राम लिखवाने वाले रामनामी अलग-अलग नाम से पुकारे जाते है। माथे पर राम नाम लिखवाने वाले को शिरोमणि, पूरे माथे पर राम नाम लिखवाने वाले को सर्वांग रामनामी और पूरे शरीर पर राम नाम लिखवाने वाले को नखशिख रामनामी कहा जाता है।

इंडोनेशिया की परंपरा

इंडोनेशिया के मेंतोआई द्वीप पर टैटू की अपनी एक पुरानी संस्कृति है। खासतौर पर वहां के मेंतोआई ओझा सजने-संवरने में काफी विश्वास रखते हैं। वे लोग अपने दांतों को तीखा करवाने से लेकर शरीर के विभिन्न हिस्सों पर टैटू गुदवाते हैं। पहले पीठ, फिर पांव और हाथ पर टैटू बनवाए जाते हैं। यहां तक कि सिर भी खाली नहीं छोड़ा जाता। इन्हें बनाने की प्रक्रिया बड़ी विशिष्ट है और वही कलाकार टैटू बनाते हैं जो इस कला में माहिर हों। पारंपरिक टैटू बनाने के लिए पीतल की कील का इस्तेमाल किया जाता है। बनाने के बाद उस पर औषधीय पौधों से बनी दवा लगाई जाती है, जिससे संक्रमण की गुंजाइश खत्म हो जाती है। ये लोग पेड़ों की आकृतियां अपने शरीर पर बनवाते हैं, ताकि परंपरा के जरिए प्रकृति से नाता बना रहे। मेंतोआई द्वीप के आदिवासियों की सदियों से चली आ रही परंपरा में शरीर पर बना सही टैटू दरअसस उनकी योग्यता के बारे में बताता है और इसी हिसाब से उनके लिए कार्यक्षेत्र का चुनाव होता है। जिस काम को करने में बच्चा सक्षम हो और भविष्य में पारंगत हो सके, वही काम उसे दिया जाता है। दूसरे, शहरों से प्रभावित हो रही आदिवासियों की नई पीढ़ी के भविष्य को लेकर वहां के बुजुर्गों को चिंता होने लगी है। बच्चे अब पारंपरिक टैटू से नहीं, बल्कि आधुनिक कपड़े-जूते पहन कर बाहर के लोगों की तरह दिखना चाहते हैं। यही वजह है कि आज उनके बच्चे टैटू बनवाने से परहेज करने लगे हैं।

ताकि सुरक्षित रहे टैटू

टैटू को कभी ड्राई न होने दें उस पर समय-समय पर लोशन लगाते रहें। अपने टैटू की सुरक्षा के लिए जब भी घर से बाहर जाएं सनस्क्रीन का प्रयोग करें। सनर्बन से टैटू के रंग फीके लगने लगते हैं। गर्मियों के दौरान सनस्क्रीन लोशन और सर्दियों में लोशन का इस्तेमाल जरूर करें ताकि टैटू हमेशा नया और चमकता रहें। जो पुरूष ऐसी जगह पर काम करते रहते है जहां उन्हें पसीना ज्यादा आता है। उन के लिए जरूरी है कि पसीने से टैटू को बचाएं क्योंकि पसीना टैटू के रंग को तेजी से फीका करता है। इसलिए पसीना आने पर उसे साफ कपड़े से साफ करते रहें। कुछ वर्षों में लगे कि टैटू के रंग फीके हो रहे हैं और टच-अप की जरूरत है तो उसी टैटू कलाकार के पास जाए जिसने वह टैटू बनाया था। टैटू बनवाने के बाद सबसे महत्वपूर्ण है उसके ठीक होने का इंतजार करना, अगर यह अभी भी चिकित्सा की प्रक्रिया में है और टैटू में दर्द, सूजन और लाल है तो डॉक्टर के पास जाएं और पता करें कि कहीं यह संक्रमण तो नहीं। यदि हरा

या पीला मवाद बाहर आ रहा है, तो डॉक्टर के पास जाने में बिल्कुल भी देर नही करनी चाहिए क्योंकि देर करने से टैटू क्षेत्र पर एक बदसूरत छेद हो सकता है। शरीर के किसी हिस्से में टैटू गुदवाने के बाद उसका ध्यान रखना बेहद जरूरी है। टैटू बनाने वाले आमतौर पर आपको टैटू गुदवाने वाली जगह पर गर्म पानी से धोने और चार दिनों तक रोजाना खास मरहम लगाने की सलाह देते हैं। यह सलाह जरूर मानें।

स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस...

क्या रात को सोने से पहले और सुबह उठने के बाद आप भी सबसे पहले अपने स्मार्ट फोन को चेक करते है..? अगर इस सवाल का जवाब हां है तो फिर आपको सावधान हो जाने की जरूत है क्योंकि हो सकता है जिस स्मार्ट फोन को आप रात के अंधेरे में चेक कर रहे थे उसने सुबह होने तक आपकी आंखों की रोशनी को अस्थायी तौर पर छीन लिया हो। वैज्ञानिक और डॉक्टर इसे स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस कहते हैं। स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस तब होती है..जब रात के अंधेरे में कोई व्यक्ति अपना स्मार्ट फोन चेक करता है। ऐसा करते वक्त अगर आपकी एक आंख ढकी हुई और दूसरी खुली है तो आप अस्थायी तौर पर अंधे हो सकते हैं। द न्यू इंग्लैंड जनरल ऑफ मेडिसीन ने कुछ दिनों पहले स्मार्ट फोन ब्लाइंडनेस का जिक्र करते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। रिपोर्ट में 22 वर्ष और 40 वर्ष की दो महिलाओं का जिक्र था...जो एक आंख से दिखाई न पड़ने की शिकायत लेकर डॉक्टरों के पास पहुंची थीं। शुरूआत में डॉक्टर्स इसे किसी और बीमारी का लक्षण मानते रहे..लेकिन कई तरह की जांच करने के बाद भी डॉक्टर किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाए। इसके बाद दोनों मरीजों से उनकी स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने की आदत के बारे में पूछा गया। दोनों महिलाओं ने डॉक्टरों को बताया कि वो रात को अपने बेड रूम की लाइट ऑफ करने के बाद काफी देर तक अपना स्मार्ट फोन चेक किया करती थीं। ऐसा करते वक्त उनकी एक आंख तकिए से ढकी रहती थी..जबकि दूसरी आंख से वे स्मार्ट फोन चेक करती थीं।

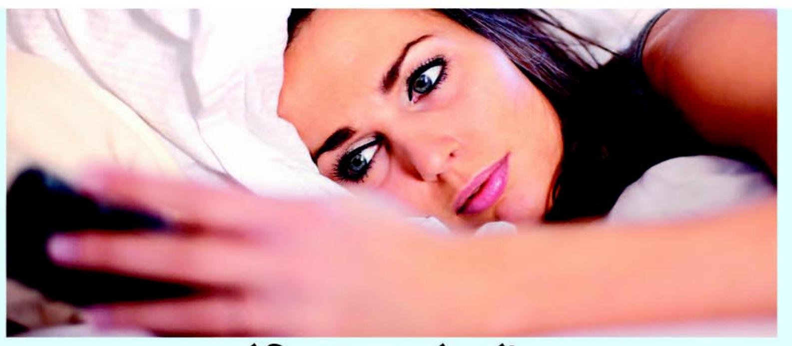

रेटिना का एडजेस्टमेंट

डॉक्टरों ने पता लगाया कि जब कोई व्यक्ति अंधेरे में एक आंख से मोबाइल फोन से निकलने वाली आर्टिफिशियल रोशनी की तरफ देर तक देखता रहता है तो उसे उस आंख से दिखाई देना बंद हो जाता है। यह परेशानी रात में भी हो सकती है..और सुबह उठने के बाद भी...स्मार्टफोन ब्लाइंडनेस की वजह से प्रभावित आंख की रोशनी करीब 15 से 20 मिनट तक जा सकती है। हमारी आंखों का रेटिना बहुत संवेदनशील होता है..रोशनी से अंधेरे में जाने पर या फिर अंधेरे से रोशनी में जाने पर रेटिना खुद को एडजेस्ट करता है। अंधेरे से निकलकर रोशनी में आने के बाद आंखों को पूरी तरह संवेदनशील होने में 5 से 7 मिनट्स लग जाते हैं..जबकि रोशनी से अंधेरे में जाने के बाद आंखों को पूरी संवेदनशीलता हासिल करने में 30 से 40 मिनट का वक्त लगता है।

एडजेस्ट होने में समय

ज्यादा ब्राइटनेस वाले मोबाइल फोन को देर तक देखने के बाद आंखों को अंधेरे के लिए एडजेस्ट होने में और भी ज्यादा वक्त लग जाता है। आपकी आंखें जो भी देखती हैं वो दरअसल आंखों तक उल्टे आकार में पहुंचता है..लेकिन आपका दिमाग उस दृश्य या तस्वीर को सीधा कर देता है यानी अगर आपका दिमाग आंखों की मदद न करे तो आपको पूरा उल्टा ही दिखाई देगा। जो भी तस्वीरें या दृश्य आप देखते हैं वो आपके रेटिना तक दो बराबर हिस्सों में पहुंचती है और बिखरी हुई होती हैं..आपका दिमाग तस्वीरों के इन दोनों हिस्सों को जोड़ देता है और एक पूरी तस्वीर आपके सामने होती है।

आंखों का रंग

अगर आपकी आंखों का रंग नीला है तो आप इंसानों के उस समूह का हिस्सा हैं..जो एक ही पूर्वज की संतान हैं। नीली आंखों वाला पहला मनुष्य आज से करीब 7 हजार वर्ष पहले अस्तित्व में आया था। इंसानों की आंखों का रंग शुरुआत में भूरा था..और इसके रंग में जेनेटिक मोशन की वजह से बदलाव आते रहे..यानी अगर आपकी आंखों का रंग भूरा है..तो आपकी आंखें वैसी ही हैं जैसी प्राचीन मनुष्य की हुआ करती थीं। एक इंसान एक मिनट में औसतन 17 बार पलकें झपकाता है..ऐसा करना जरूरी है..नहीं तो आपकी आंखों पर काफी दबाव पड़ सकता है। उम्र बढ़ने पर भी आपकी आंखों का आकार लगभग उतना ही रहता है..जितना पैदा होने के बाद.. यानी बचपन में था। आपकी आंखों से रोते वक्त, जलन के वक्त और जम्हाई लेते वक्त जो आंसू निकलते हैं..उनमें अलग अलग तत्व होते हैं। आपकी आंखें लगातार हिलती रहती हैं..ऐसा इसलिए होता है..क्योंकि एक जगह स्थिर हो जाने पर तस्वीरें धुंधली हो सकती हैं। आपने गौर किया होगा कि अगर आप किसी वस्तु को लगातार घूरते हैं तो वो आपकी नज़रों से गायब होने लगती है..या धुंधली हो जाती है।

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग...

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग एविएशन सेक्टर से संबंधित एक प्रमुख क्षेत्र है, जिसे मेन्टेनेन्स ब्रांच में शामिल किया गया है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें प्रोफेशनल्स को पद व पैसा दोनों मिल रहा है। इसमें कमर्शियल एवं मिलिट्री एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, सेटेलाइट एवं मिसाइल आदि की डिजाइनिंग, कंस्ट्रक्शन, डेवलपमेंट, टेस्टिंग, ऑपरेशन एवं मेन्टेनेन्स आदि के बारे में विशेषज्ञता हासिल की जाती है। एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियर का सीधा संबंध एविएशन डिवीजन से होता है। एयरक्राफ्ट के सफलतापूर्वक टेक ऑफ की जिम्मेदारी भी इन्हीं के जिम्मे होती है। ये इंजीनियर पूरी तरह से सुरक्षा पर फोकस करते हैं, ताकि एयरक्राफ्ट को बिना किसी अवरोध के उड़ाया जा सके। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की एक घोषणा के अनुसार इस समय भारतीय एविएशन इंडस्ट्री विश्व की नौवीं सबसे बड़ी एविएशन इंडस्ट्री है तथा 2020 तक इसके तीसरे सबसे बड़े एविएशन मार्केट के रूप में बनने की उम्मीद है। इसी तरह से 2030 तक पहुंचते-पहुंचते इसके पहले स्थान पर काबिज होने का अनुमान है। फिक्की-केपीएमजी रिपोर्ट के अनुसार एविएशन इंडस्ट्री में वर्ष 2017 तक देश में रोजगार में दोगुनी वृद्धि होगी और यह बढ़ कर 1.17 लाख के करीब पहुंच जाएगा। आने वाले समय में इसमें एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियर पदों के लिए भारी संख्या में प्रोफेशनल्स की आवश्यकता पड़ेगी।

बारहवीं के बाद रखें कदम

एयरक्राफ्ट मेन्टेनेन्स इंजीनियरिंग तीन वर्षीय ट्रेनिंग कोर्स है। इसमें प्रवेश के लिए छात्रों को 10+2 की परीक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथ्स के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। छात्र की आयु 23 वर्ष से अधिक न हो। इसमें फीस की राशि संस्थान पर निर्भर करती है। अमूमन तीन साल के कोर्स में कुल छह सेमेस्टर होते हैं। इनकी फीस करीब दो से ढाई लाख रुपए होती है। इसके अलावा हॉस्ट, यूनिफार्म, खाने, टूल-किट व अन्य खर्चे भी शामिल हैं। छात्र किस्तों में भी फीस दे सकते हैं।

एजुकेशन लोन

छात्रों को देश-विदेश में अध्ययन के लिए प्रमुख राष्ट्रीयकृत, प्राइवेट अथवा विदेशी बैंकों द्वारा एजुकेशन लोन प्रदान किया जाता है। यह राशि पांच लाख से लेकर अधिकतम 20 लाख रुपए तक हो सकती है। छात्र को जिस संस्थान में एडमिशन लेना है, वहां से जारी एडमिशन लेटर, हॉस्टल खर्च, ट्यूशन फीस एवं अन्य खर्चों का ब्योरा बैंक को देना होता है। अंतिम निर्णय बैंक को करना होता है। बैंक सभी कागजात जांचता है।

सैलरी

इसमें ज्यादातर सैलरी पैकेज एकेडमी करियर एवं काम के बारे में जानकारी पर निर्भर करता है। शुरू शुरू में इसमें प्रोफेशनल्स को करीब तीन से चार लाख रुपए सालाना का पैकेज मिलता है। अनुभव बढ़ने के साथ सैलरी भी बढ़ती जाती है। प्राइवेट सेक्टर में सैलरी अधिक मिलती है। सुविधाओं के मामले में सरकारी क्षेत्र आगे है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)